कोटद्वार, शनिवार
11 नवम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 193 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

जब तक हमारे जवान सीमा पर तैनात हैं तब तक भारत की 1 इंच भूमि पर भी कोई कब्जा नहीं कर सकता : शाह

गृहमंत्री ने जवानों के लिए जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ड्रोन का ई-लोकार्पण किया

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उत्तराखंड के देहरादून में भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 62वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। अमित शाह ने जवानों के लिए सेल्फ सस्टेनेबल एनर्जी बिल्डिंग और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित बीपीओ (बॉर्डर ऑब्जरवेशन पोस्ट) पर सब्जियों, दवाओं और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ड्रोन का ई-लोकार्पण किया। गृह मंत्री ने लद्दाख में 17000 फीट की ऊंचाई पर स्व ऊर्जा भवन का रिमोट लोकार्पण, मातली उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश बसर, रंगमाती आसाम, रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर अरुणाचल प्रदेश समेत 10 बैरक का लोकापर्ण किया। साथ ही ई स्मारिका का विमोचन भी किया। इसमें आईटीबीपी की उपलब्धियों का उल्लेख है। इसके अलावा शहीद स्मारिका का विमोचन भी किया। यह स्मारिका शहीदों की बहादुरी को बताएगी।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देशवासी जब दीपावली के अवसर पर अपने घर में दिया जलाते हैं, तब वे एक दिया सीमा पर तैनात हमारे वीर जवानों के लिए भी जलाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की 130 करोड़ जनता पूरे दिल से वीर जवानों के त्याग, बलिदान, साहस और शौर्य का सम्मान करती है।

गृह मंत्री ने कहा कि देश की जनता चैन की नींद सोती है क्योंकि हमारे वीर जवान अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष सरहद पर देश की सुरक्षा के लिए समर्पित करते हैं। श्री शाह ने कहा कि हिमवीरों का त्याग, सेवा और बलिदान अनमोल है और पूरा देश इसे नमन करता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज आईटीबीपी का स्थापना दिवस है और हमारे हिमवीरों ने पिछले 62 वर्षों से शौर्य, दृढ़ता और कर्मनिष्ठा के ध्येय वाक्य के साथ भारत की दुर्गम सीमाओं को सुरक्षित रखने का काम किया है।

गृह मंत्री अमित शाह को स्मृति चिंह भेंट करते हुए आईटीबीपी के अधिकारी।

कहा कि माइनस 45 डिग्री तापमान में देश की अग्रिम सीमा पर चौकन्ना रहकर उसकी सुरक्षा करना और जरूरत पड़ने पर सर्वोच्च बलिदान देने से भी पीछे ना हटना, आईटीबीपी की परंपरा रही है। श्री शाह ने कहा कि 62 साल पहले 7 वाहिनियों के साथ शुरू हुआ आईटीबीपी, आज एक लाख हिमवीरों, 60 वाहिनियों, 17 प्रशिक्षण केन्द्रों, 16 सेक्टर, 5 फ्रंटियर और 2 कमांड मुख्यालयों के साथ एक मज़बूत बल के रूप में उभर कर आया है। अमित शाह ने कहा कि आज यहां हुई कई नई शुरूआतों में से सेल्फ सस्टेनेबल एनर्जी बिल्डिंग बेहद खास है क्योंकि 17,000 फीट की ऊंचाई पर बनी ये बिल्डिंग ठंडे मरूस्थल में आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक बनेगी।

श्री शाह ने कहा कि जब यहां बाहर का तापमान शून्य से 40-45 नीचे चला जाता है और पेट्रोल या डीज़ल का उपयोग नहीं हो पाता है, ऐसे में ये बिल्डिंग 18-19 डिग्री तापमान में जवानों को सुरक्षित रखेगी। उन्होंने कहा कि इस बिल्डिंग को मात्र 2 महीनों में ही तैयार कर लिया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में भी आईटीबीपी की भागीदारी बहुत

गृह मंत्री ने आईटीबीपी के 147 शहीदों पर बनी फ्लिप बुक को लांच किया

बढ़ गई है, जो बहुत अच्छी बात है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी 36 लाख से ज्यादा वृक्ष इतने दुर्गम क्षेत्र में आईटीबीपी ने लगाए हैं। उन्होंने सभी जवानों से वृक्षों को अपने साथ जोड़ने को कहा जिससे ना सिर्फ उनके मन में बहुत बड़ा बदलाव और संवेदनशीलता आएंगे बल्कि वृक्ष के पालन पोषण के साथ होने वाला जुड़ाव जवानों के मन में भी बहुत बड़ा परिवर्तन करेगा।

गृह मंत्री ने आईटीबीपी के 147 शहीदों पर बनी फ्लिप बुक को भी लांच किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर आईटीबीपी की 7 बटालियन को स्वीकृति दी है और आईटीबीपी की स्थापना के बाद ये पहला मौका है जब 7 बटालियन एक साथ स्वीकृत की गई हैं, इनमें से 4 बटालियन जल्द ही तैनात हो जायेंगी। श्री शाह ने कहा कि ये 7 बटालियन और 1 सेक्टर मुख्यालय लगभग 3000 करोड़ रूपए की लागत से बनेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, सौरभ बहुगुणा, मेयर सुनील उनियाल गामा, आईटीबीपी के महानिदेशक उपस्थित थे।

दिवाली के लिए सजे बदरीनाथ और केदारनाथ धाम

देहरादून। दिवाली पर्व के लिए बदरीनाथ और केदारनाथ धाम को फूलों से सजाया गया है। पर्व के अवसर पर धामों में विशेष पूजा अर्चना होंगी। इस मौके पर बदरीनाथ मंदिर को दस कुंतल गेंदे के फूलों से सजाया गया है। कर्मचारी मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर कर रहे हैं। मंदिर के चारों तरफ फूल मालाएं लगाई गई हैं। मंदिर के द्वार पर फूल मालाओं के साथ पीपल व आम की पत्तियों के बंदनवार लगाए गए हैं ।चारधाम यात्रा अंतिम पड़ाव में है। अब तक चारधामों के साथ हेमकुंड साहिब में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 55 लाख पार करने वाला है, जो यात्रा के इतिहास में नया रिकॉर्ड है। साथ ही बाबा केदार और बदरीनाथ धाम में 51 हजार से अधिक वीआईपी दर्शन करने पहुंचे। केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवंबर को बंद होंगे, जबकि गंगोत्री धाम के 14 नवंबर और बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को बंद होंगे। चारधामों के कपाट बंद होने के साथ ही यात्रा छह माह के शीतकाल के लिए बंद रहेगी।

लोकसभा से निष्कासित होंगी महुआ, सांसद के खिलाफ बहुमत से एथिक्स कमेटी में प्रस्ताव पास

नई दिल्ली, एजेंसी। पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। एथिक्स कमेटी में तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रस्ताव पारित हो गया। महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रस्ताव पर पक्ष में छह सांसदों ने वोट किया। वहीं, प्रस्ताव पर विपक्ष में वोट डालने वाले सदस्यों की संख्या चार रही। खास बात रही कि कांग्रेस की सांसद परनीत कौर ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। कमेटी ने अपने प्रस्ताव में महुआ को सांसद के रूप में निष्कासित करने की सिफारिश की है। एक रिपोर्ट के अनुसार मोइत्रा के खिलाफ लगे रिश्वत लेकर प्रश्न पूछने संबंधी आरोपों की जांच कर रही लोकसभा की आचार समिति राष्ट्रीय सुरक्षा पर अनैतिक आचरण का असर पड़ने के आधार पर उन्हें संसद के निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश कर सकती है। जानकारी थी कि मसौदा रिपोर्ट में मोइत्रा के आचरण की निंदा की गई है। इसे अत्यधिक आपत्तिजनक, अनैतिक, जघन्य और आपराधिक बताया गया है। साथ ही सरकार से मामले में समयबद्ध कानूनी और संस्थागत जांच का भी आह्वान किया गया है। गौरतलब है कि एथिक्स कमेटी में कुल 15 सदस्य हैं। समिति में भाजपा के सात, कांग्रेस के तीन और बसपा, शिवसेना, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी, सीपीएम और जदयू के एक-एक सदस्य शामिल हैं।

दिवाली से पहले बड़ा हादसा, गांव में रखे पटाखों के गोदाम में लगी आग, चार नाबालिग झुलसे

रायबरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रायबरेली के सरेनी इलाके में पटाखों में आग लगने से चार नाबालिग बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस सूत्रों से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार सरेनी के मलकेपुर गांव में एक पटाखों का व्यवसाय करने वाली महिला के घर में रखे पटाखों में आग लगने से चार नाबालिग बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है।

दिल्ली की सांसों को बारिश से संजीवनी, वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को प्रदूषण से कुछ राहत मिली है। गुरुवार रात को हुई बारिश से एयर क्वालिटी इंडेक्स 100 से नीचे चला गया, जिससे दिल्ली की सांसों को संजीवनी मिली है। हवाओं ने भी प्रदूषण को काफी हद तक साफ कर दिया है, लेकिन शुक्रवार को बारिश थम गई है और शनिवार को मौसक साफ होने के आसार हैं। ऐसे में दिल्ली में फिर प्रदूषण बढ़ सकता है। इसी बीच उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी (एनसीआर) क्षेत्र दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र और राज्यों से शुक्रवार को कहा कि इसके लिए वे दीर्घकालिक उपाय करें।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि वह लोगों को प्रदूषण से पीड़ित नहीं होने दे सकती।पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि वह चाहती है कि खेतों में आग लगाने (पराली जलाने) से रोका जाए और पंजाब में चावल को प्रमुख फसल के रूप में प्रतिस्थापित करने के लिए उपाय किए जाएं। चावल के बदले को और फसल लगाने का विकल्प तलाशा जाए।

पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति कौल ने राजधानी और आसपास के इलाकों में रात भर हुई बारिश पर गौर करते हुए कहा कि भगवान ने लोगों की प्रार्थना सुनी और हस्तक्षेप किया।

मौसम ने बदली करवट, प्रदेश के 7 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में आज मौसम ने फिर करवट बदली। पहाड़ से मैदान तक बादल छाए हैं। वहीं, मौसम विभाग की ओर से सात जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक आज उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, देहरादून, टिहरी में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। वहीं, अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है।

यमुनोत्री धाम सहित आसपास के इलाकों में बर्फबारी हुई। वहीं, यमुना के मायके खरशालीगांव, जानकीचट्टी, नारायण पुरी, फूलचट्टी हनुमान चट्टी क्षेत्र में बारिश, बड़कोट क्षेत्र में बारिश का मौसम बना हुआ है। बर्फबारी के चलते धाम में ठंड बढ़ी। यमुनोत्री धाम से पुरोहित सुनील उनियाल ने बताया कि धाम में डेढ़ घंटे से बर्फबारी हो रही है। जिससे धाम में ठंड बढ़ गई है।

गंगोत्री धाम में भागीरथी (गंगा) नदी का जल और नलों का पानी जमने लग गया है। रात का तापमान माइनस 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। सुबह और शाम को हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है।

केदारनाथ में बर्फबारी से शीतलहर का प्रकोप अपने चरम पर है।

मौसम ने बदली करवट यमुनोत्री धाम में बर्फबारी

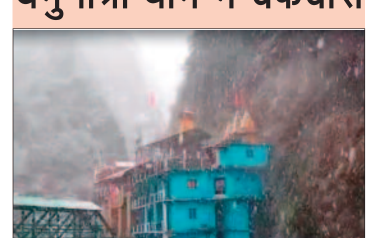

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट बदली। दोपहर बाद यमुनोत्री धाम परिसर सहित उच्च हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी हुई। जिसमें श्रद्धालुओं ने जमकर लुत्फ उठाया। शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान में काले घने बादल छाये रहे। वहीं उच्च हिमालय क्षेत्र सहित यमुनोत्री धाम में बर्फबारी देखने को मिली। इससे जिले ठंड बढ़ गई है। जिससे बचने के लिए लोगों ने गर्म कपड़े व हीटर का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इधर सर्द मौसम के बीच धनतेरस पर लोगों ने बाजार में जमकर खरीदारी की। वहीं यमुनोत्री धाम की यात्रा पर आए तीर्थ यात्रियों ने भी बारिश के बीच हुई बर्फबारी का जमकर लुत्फ उठाया।

प्रदेश के 1.30 लाख सरकारी कर्मचारियों को दिवाली बोनस की सौगात, आदेश जारी

देहरादून। दिवाली से दो दिन पहले प्रदेश सरकार ने 1.30 लाख कर्मियों को बोनस की सौगात दी है। शुक्रवार देर शाम वित्त विभाग ने बोनस जारी करने के संबंध में आदेश जारी किए। कर्मचारियों को बोनस के रूप में 1,184 रुपये से लेकर 6,908 रुपये तक की राशि जारी होगी।

अपर सचिव (वित्त) गंगा प्रसाद द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, राज्य सरकार के समूह ख व ग के वे सभी अराजपत्रित श्रेणी कर्मचारी जिनका ग्रेड वेतन 4,800 रुपये है, को 30 दिनों के तदर्थ बोनस के रूप में 6,908 रुपये की धनराशि प्राप्त होगी। इनके अलावा छह कार्य दिवसीय सप्ताह वाले कार्यों में पिछले तीन वर्ष या इससे अधिक वर्ष में हर साल कम से कम 240 दिन कार्य करने वाले कैजुअल या दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 1184 रुपये राशि जारी होगी, लेकिन ऐसे कर्मचारियों के बोनस पर रोक होगी, जिनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई हो।यह रोक मुकदमे का परिणाम प्राप्त होने तक जारी रहेगी। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कर्मचारियों के दिवाली बोनस को स्वीकृति तो दे दी, लेकिन कर्मचारी चार प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी होने की भी उम्मीद लगाए हुए थे। माना जा रहा कि प्रदेश सरकार अब महंगाई भत्ता कुछ समय बाद देगी।

धरती हमारा वास्तविक सोना: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आज धनतेरस के अवसर पर देशवासियों को उत्तम आरोग्य व समृद्धि की शुभकामनायें देते हुये कहा कि भगवान धन्वंतरी जी आरोग्य व आयुर्वेद के देवता हैं।

समुद्र मंथन के समय वे हाथों में अमृत कलश लेकर अवतरित हुये थे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने धनतेरस से भाईदूज तक चलने वाले पांच दिवसीय दीपावली पर्व की सभी को शुभकामनायें देते हुये कहा कि धनतेरस से भाई दूज तक चलने वाला दीपों का उत्सव सभी के जीवन में खुशियों की सौगातों को लेकर आये।

उन्होंने कहा कि आज आरोग्य के देवता धनवंतरि जी का अवतरण दिवस भी है जो यह संदेश देते हैं कि आरोग्य ही सच्ची संपति है इसलिये स्वयं और अपनी धरती दोनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि के लिये दीपावली के इन पांच दिनों के उत्सव को हरित व सात्विक रूप से मनायं। अपने अन्दर के उल्लास को जगायें, पटाखों के शोर से शान्ति की ओर लौटें; आरोग्य की तिजोरियों को भरें क्योंकि स्वास्थ्य ही तो जीवन है; हैल्थ इज़ वैल्थ इसलिये सुखद, सफल व समुन्नत भविष्य के निर्माण के लिये हरित पर्व मनाने के संस्कारों को परिवार में रोपित करें। स्वामी जी ने कहा कि धरती हमारा वास्तविक सोना है; धरती है तो हम है। धरती बचेगी तो हम बचेंगे इसलिये आईये इस बार धनतेरस एवं दिवाली पर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लें। स्वामी जी ने आज राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कहा कि आयुर्वेद भारतीय विरासत और संस्कृति का अभिन्न अंग है। आयुर्वेद भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति है जो लगभग 3,000 वर्षों से भी अधिक से चली आ रही है। आयुर्वेद अर्थात आयु और वेद। आयु का अर्थ है जीवन, वेद का अर्थ है विज्ञान या ज्ञान अर्थात् आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। आयुर्वेद केवल उपचार प्रणाली नहीं बल्कि समग्र स्वास्थ्य का आधार है। स्वामी जी ने आज विश्व टीकाकरण दिवस पर जीरो से पांच वर्ष के बच्चों के टीकाकरण का संदेश देते हुये कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं, बच्चे सुरक्षित तो राष्ट्र सुरक्षित इसलिये अपने बच्चों के जीवन और उनके भविष्य को रोगों से सुरक्षित रखने के लिये टीकाकरण सबसे आसान और प्रभावी माध्यम है इसलिये अपने जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण अवश्य करवाये।

टीकाकरण परिवार और समुदाय को सुरक्षित व रोगमुक्त रखने के लिये अत्यंत आवश्यक है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने गंगा जी की आरती के माध्यम से संदेश दिया कि ‘पांच साल सात बार छूटे न टीका एक भी बार’। देशवासियों का आह्वान करते हुये कहा कि आईये टीकाकरण अभियान से जुड़े और अपने आस–पास के लोगों को भी जीरो से पांच वर्ष के बच्चों के टीकाकरण के लिये प्रेरित करें। स्वामी जी ने पांच साल सात बार छूटे न टीका एक भी बार का सभी को हाथ खड़े कर संकल्प कराया।

पछुवादून से लेकर जौनसार बावर तक बढ़ी ठंड

विकासनगर। कई दिनों से खुले मौसम के बाद शुक्रवार सुबह से पछुवादून से लेकर जौनसार बावर में मौसम का मिजाज एकाएक बदल गया। सुबह से ही आसमान में काल बदरा घिर आये। दोपहर बाद जहां चकराता क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। वहीं पछुवादून क्षेत्र में दोपहर बाद लगातार देर शाम तक बूंदाबांदी होती रही। जिसके चलते क्षेत्र में सर्दी बढ़ गयी। लोगों को ठंड से बचने के लिए गरम कपड़े निकालने पड़े। पछुवादून से लेकर जौनसार बावर क्षेत्र में पिछले कई दिनो से चटख धूप खिली थी। लेकिन शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल घिर आये। दोपहर तक आसमान में घने काले बदरा छा गये, जिसके बाद चकराता क्षेत्र में जहां झमाझम बारिश हुई। वहीं पछुवादून क्षेत्र में हल्की फुल्की बूंदाबांद देर शाम तक होती रही।बारिश के चलते क्षेत्र में ठंड बढ़ गयी। चकराता क्षेत्र

में दोपहर 12 बजे बाद सर्दी बढ़ गयी। तापमान 20 डिग्री से गिरकर 14 पर आ गया, जबकि न्यूनतम तापमान 8 पर पहुंच गया है। लोगों को मोटे कपड़े जैकेट, टोपी, मफलर पहन सर्दी से बचने का उपाय करना पड़ा। घरों के अंदर अंगीठी व हीटर का लोगों को सहारा लेना पड़ रहा है।अचानक हुई बारिश और सर्दी से बचने को धनतेरस की खरीदारी करने बाजार आये लोग अपने घरों में दुबक गए। जिससे शाम के समय बाजार में सन्नाटा छा गया। जिससे व्यापारियों को मायूस होना पड़ा।

हर कालेज में बनेगा उद्यमिता विकास केंद्र

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत पांच साल में राज्य के पचास हजार छात्रों उद्यम के प्रति जागरूक और पंद्रह हजार छात्रों को उद्योग लगाने का प्रशिक्षण देगा। प्रत्येक डिग्री कालेज में एक–एक उद्यमिता केंद्र की स्थापना की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग और ईडीआईआई संयुक्त रूप से देवभूमि उद्यमिता योजना का संचालन कर रहे हैं। इसके तहत पहले कोहार्ट का अहमदाबाद में राज्य के शिक्षकों को उद्यमिता प्रशिक्षण दिया गया। शुक्रवार को इस प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ है। योजना के नोडल अधिकारी और सहायक निदेशक डॉ दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि वर्तमान प्रशिक्षण में नैनीताल, टिहरी गढ़वाल से तीन–तीन, हरिद्वार, अल्मोड़ा, चमोली, देहरादून से दो–दो, और पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, उत्तरकाशी, चम्पावत, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग से एक–एक संकाय सदस्यों ने कोहार्ट में भाग लिया।

योजना कार्यक्रम निदेशक, ईडीआईआई से डॉ अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह प्रशिक्षण एक प्रकार से शिक्षकों को छात्रों का उद्यमी मेंटर के रूप में विकसित करने का प्रशिक्षण है। प्रशिक्षित शिक्षक अपने संस्थानों में लौटकर छात्रों को उद्यमिता और नवाचार के लिए प्रेरित करेंगे। प्रत्येक संस्थान में देवभूमि उद्यमिता केंद्र की स्थापना भी करेंगे

रोजगार–स्वरोजगार का केंद बनेंगे कालेज: शिक्षा सचिव

देहरादून, शिक्षा सचिव शैलेश बगोली ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना को राज्य के युवाओं को उद्यमशील बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसके जरिए कालेज में पढ़ाई के साथ साथ छात्र–छात्राअें को विभिन्न सेक्टर में स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विशेष उन्हें उद्यमों के प्रति जागरूक करेंगे और साथ ही उद्यम स्थापित करने में सहयोग भी करेंगे।

घर के मंदिर के दीपक को मंदिर प्राण प्रतिष्ठा तक जलाकर रखें: भट्ट

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंडवासी दिवाली के दिन घर के दीपक को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा तक जला कर रखें। देवभूमि से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का यह संदेश जाना चाहिए। उन्होंने इस दिवाली को लोकल उत्पाद और सांस्कृतिक परम वैभव लौटने वाली बताया। यमुना कालोनी स्थित आवास में दिवाली मिलन समारोह में भट्ट ने प्रदेशवासियों को दिवाली बधाई देते हुए सभी के सुख समृद्धि की कामना की है। कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में श्री रामलला विराजने वाले हैं, लिहाजा हम सभी को देवभूमि से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संदेश घर के मंदिर में दिवाली के दीपक को 22 जनवरी तक जलाकर देना है। भट्ट ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के ऐतिहासिक अवसर पर देवभूमि से सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का संदेश जाना चाहिए। कहा कि त्यौहार हो या अन्य कोई भी अवसर हमें स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक महत्व देना होगा। इसी तरह घूमने जाए तो लोकल डेस्टीनेसन को अपने यात्रा रूट में पहले शामिल करें। उन्होंने उम्मीद जताई, इस दिवाली के उपरांत राज्य की खुशहाली और समृद्धि में चौमुखी वृद्धि करने वाला सुनहरा अवसर ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के रूप में हम सबके सामने है। अब तक हासिल सवा लाख करोड़ के प्रस्ताव के साथ 2.5 लाख करोड़ की संभावनाएं इशारा करती हैं कि इस बार दिवाली का यह उत्सव लंबा होने जा रहा है। भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश –दुनिया में चल रहे सनातनी संस्कृति पुनर्जागरण के इस महा अभियान से देश का परम वैभव वापिस लौट रहा है। समारोह में कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार,प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, संजीव वर्मा, सुभाष बड़थ्वाल, हरीश चमोली, राजीव तलवार, सत्यवीर चौहान आदि मौजूद रहे।

लक्की ड्रा में अमन ने जीती बाइक

ऋषिकेश। लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन ने दीपावली मेले में हुए लक्की ड्रा के विजेताओं की घोषणा कर उन्हे पुरस्कार बांटे। लक्की ड्रा में अमन कुमार ने प्रथम पुरस्कार में मोटर साइकिल जीती। शुक्रवार को रेलवे मार्ग स्थित एक होटल में लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन ने कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में क्लब द्वारा बीते दिनों आयोजित किए गए दीपावली मेले के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। क्लब संस्थापक ललित मोहन मिश्र ने कहा कि बीते दिनों श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में क्लब ने दीपावली मेले का आयोजन किया था। जिसमें लक्की ड्रा भी किया गया था। लक्की ड्रा में शांतिनगर निवासी अमन कुमार ने प्रथम पुरस्कार के रूप में बाइक, टीएचडीसी कॉलोनी निवासी रंजन शाह ने द्वितीय पुरस्कार के रूप में कान के कुंडल, गंगा नगर निवासी हर्षित गुप्ता ने तृतीय पुरस्कार में रेफ्रिजरेटर, मेन बाजार निवासी ध्यान सिंह ने चतुर्थ पुरस्कार वाशिंग मशीन, मालवीय नगर निवासी तनुज कुमार अरोड़ा ने पंचम पुरस्कार में डबल बेड के गद्दे जीते हैं।

ऑल इंडिया तीरंदाजी में डीएसबी ने जीते दस पदक

ऋषिकेश। सीबीएसई की ओर से आयोजित ऑल इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता में डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के तीरंदाजों ने 10 पदक जीते हैं।

विद्यालय प्रशासन ने पदक विजेता तीरंदाजों को सम्मानित किया। शुक्रवार को डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रधानाचार्य शिव सहगल ने ऑल इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले तीरंदाजों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल देहरादून में सीबीएसई द्वारा आयोजित ऑल इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता 5 से 10 नवंबर तक आयोजित हुई। जिसमें 103 विद्यालयों के लगभग 813 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने आठ रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। अर्जुन कंसवाल ने एक कांस्य पदक, एक रजत पदक, कबीर सिंह ने एक कांस्य पदक, कृष्णा मेहता ने एक कांस्य पदक, देवोजीत रावत ने एक रजत पदक, मोयरा थपलियाल ने 1 रजत पदक, अहाना सकलानी ने एक रजत पदक, उन्नति जोशी ने एक रजत, अनुष्का जुगतवान ने एक रजत, एक कांस्य पदक जीता। कहा कि इससे पहले भी डीएसबी की टीम ने बीते 16–18 अक्टूबर को एसएम पब्लिक स्कूल जगजीतपुर हरिद्वार में हुई सीबीएसई नॉर्थ जोन तीरंदाजी प्रतियोगिता में 17 स्वर्ण, 9 रजत, 5 कांस्य पदक पदक जीते थे। विद्यालय के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने सभी छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

धनतेरस पर बरसा धन, खूब हुई खरीददारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में धनतेसर का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। शहरवासियों ने बाजार पहुंचकर खूब खरीददारी की। बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक जमकर रौनक बनी हुई थी। दुकानें व शोरूम दुल्हन की तरह सजे थे। सराफा दुकानों से लेकर इलेक्ट्रानिक्स, वाहन, बर्तन व फर्नीचर की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। झाड़ू की भी खूब बिक्री हुई।

धनतेरस पर कोटद्वार बाजार में उमड़ी ग्राहकों की भीड़

धनतेरस को लेकर छोटा-बड़ा हर दुकानदार चार-पांच दिनों से तैयारियों में लगा था। शुक्रवार को सुबह से ही बाजार सज गए।

बर्तन बाजार से लेकर फुटपाथ पर मिट्टी के दीये व गणेश-लक्ष्मी आदि की दुकानें लगाने वालों के यहां देर शाम तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ी।

नजीबाबाद रोड, झंडाचौक, बदरीनाथ मार्ग, स्टेशन रोड सहित आदि बाजारों में स्थित दुकानें शाम को झिलमिल झालरों से जगमगा रही थीं। फूलों से दुकानों को सजाया भी गया था। मिट्टी के विभिन्न डिजाइनों के गणेश-लक्ष्मी की खूब बिक्री हुई। ज्योतिषों के अनुसार बैठे हुए गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति शुभ मानी जाती है, जिस पर ऐसी मूर्तियों की मांग रही।

धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा है। इसको लेकर बर्तन की दुकानों में भी खरीदारों की भीड़ उमड़ी हुई थी। चम्मच, लोटा, गिलास, थाली से लेकर स्टील की डेग व बाल्टी खूब बिकी। पीतल के बेला व तांबा के जग की भी खरीदारी की गई। वहीं क्राकरी की दुकानों पर भी लोगों ने टिफिन, कप-प्लेट, कुकर व वाटर कूलर आदि की जमकर बिक्री हुई।

ग्राहकों को भाए चांदी के सिक्के

धनतेरस को लेकर सर्राफा दुकानदारों के यहां देर शाम तक खरीददारी करने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। चांदी के साथ ही विक्टोरिया के सिक्के व डालर लोगों ने खूब खरीदे। गणेश-लक्ष्मी की भी खूब मांग रही। सोने व चांदी की अंगूठी की वैरायटियों ने लोगों को खूब लुभाया। वहीं, धनतेरस व दीपावली को लेकर दोपहिया व चौपहिया वाहन शो रूम मालिकों ने कई आफर चला रखे हैं, जिनका ग्राहकों ने खूब लाभ उठाया। किसी ने बाइक की खरीद पर नगद छूट दी तो किसी ने फाइनेंस पर भी छूट दी। चौपहिया वाहनों पर भी इसी तरह के आफर थे।

फूल झाड़ू की जमकर हुई बिक्री

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा है। इसको लेकर फुटपाथों व पंसारी दुकानों ने सादा, फूल झाड़ू व सीक झाड़ू का स्टाक कर रखा था। लोगों ने जमकर झाड़ू की खरीद की। सबसे ज्यादा फूल झाड़ू की मांग रही। फूल झाड़ू 70 से 120 रुपये की बिकी। वहीं सीक झाड़ू 40 से 50 रुपये बिकी। सादा झाड़ू के दाम भी यही रहे। झाड़ू खरीदने के लिए महिलाओं ने मोलभाव भी किया।

योग का बेहतर प्रदर्शन करने वाले हुए सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ के अंतर्गत जयहरीखाल विकासखंड के कुणझोली न्याय पंचायत के राइंका कांडाखाल में खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस दौरान योग में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त संतोषी रावत और यशिका नेगी को सम्मानित किया गया।

योग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम

महाकुंभ का आरंभ हिंद मजदूर किसान समिति के ब्लाक अध्यक्ष गणेश रावत व विशिष्ट अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक मंत्री जगदीश राठी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में ग्राम सभा कफल्डी ने पहला स्थान प्राप्त किया। 200 मी. दौड़ में मंजीत ने पहला स्थान प्राप्त किया। 400 मी. दौड़ में देवेश नेगी और 800 मी. दौड़ में आयुष पुंडीर ने पहला स्थान प्राप्त किया। 1500 मी. दौड़ में अमित सिंह पहले स्थान पर रहे। इस अवसर पर राकेश बिजल्वाण, राकेश कंडवाल, कुलदीप जखमोला, जयदीप सिंह, नरेश देवरानी और प्रवेश यादव सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

ट्रैकिंग से वापस लौटा दल, साझा किया अनुभव

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल के चौकीघाट (वर्तमान कण्वाश्रम) से लेकर मालन नदी उदगम क्षेत्र मलनिया (चंडा) को ट्रैक ऑफ द ईयर-2023 के लिए चुना गया है। इस ट्रैक को फतह कर बेबेरी एडवेंचर लैंसडौन का 20 सदस्यीय दल ट्रैकिंग कर सकुशल वापस लौट आया है।

इस संबध में अधिक जानकारी देते हुए बद्री केदार सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष मनोज इष्टवाल ने बताया कि यह दल टीम लीडर कर्नल आशीष इष्टवाल के नेतृत्व में सम्पूर्ण मालन के क्षेत्र का भ्रमण कर वापस लौटा है। वहीं जिला पर्यटन अधिकारी प्रकाश सिंह खत्री ने बताया कि दल ने प्रथम दिवस पर आमडाली, ईडा गदेरा, खैरगड्डी, मरणखेत, चूना महेड़ा होकर किमसेरा गाँव में रात्रि विश्राम किया। यहां ग्रामीणों ने फूल मालाओं से दल का स्वागत किया। अगले दिन गौतमी वन, जुड्डा रौड़याल, जुड्डा, सौड, मांडई, बिजनूर होकर मालन नदी उदगम स्थल मलनिया-बड़ोलगाँव चंडा पर्वत शिखर तक 22.50 किमी. तक यात्रा की। दल में कर्नल टीसी शर्मा, कर्नल आशीष इष्टवाल, विंग कमांडर सुधीर कुट्टी, विंग कमांडर नमित रावत, एडवोकेट अमित सजवाण, प्रणिता कंडवाल, दिग्विजय सिंह नेगी, मोहित कंडवाल, प्रशांत कुकरेती, विवेक सिंह नेगी, श्रेय सुन्द्रियाल, अजय अधिकारी, राजन सिंह नेगी, ऋतुराज सिंह रावत, शिवानी भंडारी, फारेस्ट गार्ड सुरेन्द्र सिंह, फारेस्ट गार्ड विनय सिंह व वाचर विजेंद्र सिंह एवं आमीर आदि सदस्य शामिल रहे।

ट्रैकिंग से सकुशल वापस लौटा दल

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डाडामंडी ने जीती कबड्डी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : न्याय पंचायत सिराई में आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस दौरान कबड्डी में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डाडामंडी प्रथम स्थान पर रहा।

आयोजित प्रतियोगिता का शंभारंभ ग्राम प्रधान चंद्रमोहन चौधरी ने किया। खेल संयोजक रमाकांत डबराल ने बताया कि अंडर-14 कबड्डी प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डाडामंडी प्रथम, राजकीय माध्यमिक विद्यालय राजबाट द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि, बालिका वर्ग में राजकीय कन्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बांसिझाना प्रथम रहा।

अंडर-17 बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजबाट प्रथम रहा। इस मौके पर प्रमोद कुकरेती, गजपाल सिंह गुसाईं, अरूण रावत, अजय प्रताप डोभाल, ममता कठैत, रोशन सिंह रावत, दिवाकर बड़थ्वाल, विवेक नैथानी, अनीता खंतवाल, बलवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

धूमधाम के साथ मनाया स्थापना दिवस

ायन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अभ्युदय परिवार की ओर से स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने प्रदेश हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भावना वर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत आंदोलन के शहीदों के योगदान को याद किया गया। साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इसके उपरांत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में ज्योति वर्मा व सोनिया गुप्ता प्रथम स्थापन पर रहे। पूजा रावत चंदा नेगी ने द्वितीय व चंद्रकांता व सूची नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि, राजेश्वरी नेगी देवयानी, उपासना अग्रवाल मोनिका अग्रवाल पूनम चतुर्थ व पंचम स्थान पर रहे। भावना वर्मा ने कहा कि हमें उत्तराखंड की संस्कृति को बचाने के लिए भावी पीढ़ी को आगे करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ममता रावत, कल्पना चौहान ने संयुक्त रूप से किया।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य

मृतक सैनिक के स्वजनों से की मुलाकात

कोटद्वार : गढ़वाल पूर्व सैनिक लीग ने मृतक सैनिक उमेश चंद्र ध्यानी के स्वजनों से मुलाकात करते हुए उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। लीग के अध्यक्ष बुद्धिबल्लभ ध्यानी व उपाध्यक्ष दिनेश चंद्र खेतवाल ने बताया कि सात नवंबर को सैनिक का शव उत्तर प्रदेश अलीगढ़ रेलवे स्टेशन में मिला था। सैनिक छुट्टी पर अपने घर आ रहा था। बताया कि कोटद्वार पहुंचने के बाद शव का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया।

ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल ने जीती प्रतियोगिता

कोटद्वार : खेल निदेशालय की ओर से आयोजित बालीवाल प्रतियोगिता में ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल विजयी रहा। प्रतियोगिता में दस से अधिक टीमों ने प्रतिभाग किया था।

राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि मैनिजिंग निदेशक ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल अभय रावत ने किया। उन्होंने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अंडर-19 बालक वर्ग बालीवाल प्रतियोगिता का प्रथम मुकाबला महर्षि विद्या मंदिर व नवयुग पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। जिसमें नवयुग पब्लिक स्कूल 2-0 से विजयी रहा। दूसरे मुकाबले में हैप्पी चिल्ड्रन एकेडमी ने बाल भारती को 2-1 से हराया। तीसरे मुकाबले में आरपी पब्लिक स्कूल ने विद्या मंदिर को 2-1 से हराया। चौथे मुकाबले में जनता इंटर कालेज मोटाढांक ने 2-0 से टीसीजी को हराया। अंतिम मुकाबला ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल व सिद्धबली के बीच हुई। जिसमें ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल 2-1 से विजयी रहा। इस मौके पर विक्रम सिंह नेगी, सतीश मौर्य, भाष्कर नेगी, मयंक रावत, धीरेंद्र कंडारी, अनिल नेगी, संदीप डुकलान, शिवम सिंह रावत, मान सिंह थापा, मनोज नेगी, विनोद पंत, नीरज रावत, अशीष भट्ट, अमित कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, सूरज नेगी आदि मौजूद रहे।

महिला सतपुली बाजार से लापता, पति ने दर्ज कराई गुमशुदगी की रिपोर्ट

सतपुली : तहसील पौड़ी की पट्टी पश्चिमी मनियारस्यूं एक के ग्राम कुनकुली गांव की एक महिला के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। महिला के पति ने राजस्व पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाकर महिला को खोजने की मांग की है। राजस्व पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। राजस्व उपनिरीक्षक धजवीर सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि मुकेश सिंह नेगी पुत्र वीरेन्द्र सिंह नेगी ग्राम कुनकुली पट्टी पश्चिमी मनियारस्यूं-1 तहसील पौड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी 35 वर्षीय पत्नी रोशनी देवी गत 7 नवंबर को सुबह साढ़े 6 बजे घर से यह कहकर गई कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उपचार के लिए सतपुली बाजार जा रही हूं और वहां से अपने मायके ग्राम ग्वाड़ी द्वारीखाल ब्लॉक चली जाऊंगी, लेकिन जब वह गत 8 नवंबर को भी वापस नहीं लौटी तो सभी रिश्तेदारों सहित अन्य स्थानों पर उसकी खोज की तो कहीं पता नहीं चला। तब से उसका फोन भी बंद आ रहा है। राजस्व उपनिरीक्षक धजवीर सिंह चौहान ने बताया कि मुकेश सिंह की पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है

विद्यार्थियों ने मनाई दीपावली

कोटद्वार : विद्या भारती से सम्बद्ध हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में दीपावली पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को दीपावली के महात्म्य के बारे में बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रदीप नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत शिक्षक प्रयागदत्त चमोली के नेतृत्व में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने मनमोहक रंगोली भी बनाई। साथ ही कविता व भजनों की भी प्रस्तुति दी। शिक्षक मनोज जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से भगवान श्री राम की लीला दिखाई। इस मौके पर मीडिया प्रभारी अंचल कुमार, गीता रावत, सुनीता पंत, कीर्ति द्विवेदी, श्रेया चौधरी, मुस्कान, पूजा चतुर्वेदी, हेमा पांडेय आदि मौजूद रहे।

आत्म ज्ञान जगाकर दीपावली मनाने का आह्वान

कोटद्वार : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि की ओर से दीपावली के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र संचालिका बहन बी के ज्योति ने सभी से आत्म ज्ञान जगाकर दीपावली मनाने का आह्वान किया। विवि के नजीबाबाद रोड़ स्थित सुख शांति भवन स्थित स्थानीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि त्यौहारों के अवसर पर हम घर की सफाई से लेकर नए कपड़े व अन्य सामान खरीदते हैं। ठीक इसी तरह हमें मन व बुद्धि की भी सफाई करनी चाहिए। तब जाकर ही जीवन में नयापन आयेगा। मौके पर दिव्यांग बच्चों को कंबल भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में लालपानी, कलालघाटी, सिम्मलचौड़ और रतनपुर के बी के परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

17 नवंबर से शुरू होगें ब्लाकों में कैंप

पौड़ी : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों को योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने हेतु बैंक शाखावार कैंपों का आयोजन किया जाएगा। जिले के सभी ब्लाकों में बैंक शाखावार 17 से 29 नवंबर तक कैंपों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों को योजनाओं, कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने हेतु बैंक शाखावार कैंपों का आयोजन किया जाएगा। सीडीओ ने अफसरो को ब्लाकों में इन कैंपों के आयोजन को लेकर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। जिससे समूहों को योजना का समुचित लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को अलग-अलग तिथियों में होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में अपने स्तर से क्षेत्रीय अधिकारियों, कर्मचारियों को नोडल अधिकारी नामित करते हुए कैंपों का सफल संचालन करने के निर्देश दिए है। बताया कि कैंपों के आयोजन को लेकर सभी खंड विकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया है।

तीन हजार मी. दौड़ में कनिका, धनंजय ने मारी बाजी

पौड़ी : खेल महाकुम्भ के तहत खोलाचौरी न्यायपंचायत स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी में किया गया। प्रतियोगिता के तहत 3 हजार मीटर दौड़ के बालिका में कनिका, बालक में धनंजय रावत ने पहला स्थान पाया। भाला फेंक में गौरव, कबडडी में मिरचोड़ा विजेता रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ज्येष्ठ प्रमुख कोट ब्लाक प्रमिला नेगी और विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान खोला अनीता रावत ने किया। मुख्य अतिथि ने खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई प्रतिभाएं इन खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से जिले, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मुकाम हासिल कर रहे हैं। वहीं, कल्जीखाल ब्लाक की न्याय पंचायत सांगुड़ा में दो दिवसीय खेलमहाकुंभ के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान कुलदीप, राइंका मुंडनेश्वर के प्रधानाचार्य उत्तम गुसांई, मुकेश बहुगुणा, अरविंद बिष्ट, कैलाश आदि मौजूद रहे। संचालन सतीश बलूनी व बबीता देवी ने किया।

एसजीआरआर में धूमधाम से मनाया दीपावली महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में दीपावली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान नन्हें-मुन्नें बच्चों ने राम-लक्ष्मण, सीता, लक्ष्मी, गणेश की वेशभूषा में सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति दी। जिसकी उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। वहीं कार्यक्रम में बच्चों ने सुंदर प्रस्तुतियां दी। शुक्रवार को स्कूल की शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई है। शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतिम दिन प्राइमरी बालक वर्ग बुक रेस में

अंश पसबोला प्रथम, विकास राणा द्वितीय, बालिका वर्ग में अश्विनी प्रथम, समृद्धि द्वितीय स्थान पर रही। सीनियर बालिका वर्ग 200 मीटर रेस में स्नेहा डोबरियाल, काव्य पुंडीर, जूनियर बालिका वर्ग में अंशिका भट्ट, दिव्याशी गुसांई ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य श्रीमती अनुपमा शर्मा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को दीपावली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को जीवित रखने के लिए सभी त्यौहार उल्लास एवं भाईचारे की भावना से मनाने चाहिए। हमें सभी धर्मों, विचारों एवं मान्यताओं का सम्मान करते हुए जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सौहार्दपूर्ण प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा अन्य कर्मचारी गण भी मौजूद रहे।

देवलेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चर्तुदशी मेला 22 से

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : जिले के गगवाड़स्यूं घाटी स्थित सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर बलोड़ी परिसर में 22 नवंबर से पांच दिवसीय आठवें बैकुंठ चर्तुदशी मेला शुरू होगा। मेले की तैयारियां शुरू हो गई है। मेले में शिव ध्वजा, मार्च पास्ट, झांकी, देवडोलियां, विभिन्न स्तर की खेल प्रतियोगिताएं, थड़िया-चौफला, महिला मंगल दलो के बीच कीर्तन-भजन प्रतियागिता होगी। लोक गायक किशन महिपाल, अमित सागर, दिनेश भारती, दीपक कुमार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी विशेष आकषण का केंद्र रहेंगी। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। समापन पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी शिरकत करेंगी।

सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर बलोड़ी परिसर में गगवाड़स्यूं घाटी के 34 गांवों के ग्रामीण सामूहिक प्रयास से मेले का आयोजन करते आ रहे हैं। इन दिनों मंदिर परिसर में मेले के आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर समिति के सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल ने बताया कि 22 नवंबर को बैकुंठ चतुर्दशी मेले का आगाज शिव ध्वजा चढ़ाने के साथ होगा। इस वर्ष ननकोट गांव के ग्रामीण शिव ध्वजा लाएंगे। इसके बाद मार्च पास्ट, झांकी, कलश यात्रा, लोक गायक दिनेश भारती व साथियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इस दौरान श्री देवलेश्वर महादेव की महता पर रचित चार भजनों के एलबम को भी रिलीज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से मंदिर पूजन, विभिन्न गांवों के देवडोलियों स्वागत, महिला मंगल दलों द्वारा कीर्तन-भजन की प्रस्तुतियां एवं विद्यालयी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 24 नवंबर को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही प्रसिद्ध लोक गायक किशन महिपाल की सांस्कृति प्रस्तुति होगी। बताया 25 नवंबर को खेल प्रतियोगिताएं, मैराथन, लोक गायक अमित सागर व अमित खरे की प्रस्तुतियां होगी। कहा लोक गायक दीपक कुमार रात्रि जागरण में जागर के साथ भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान विहंगम झांकियों की प्रस्तुति भी होगी। उन्होंने बताया 26 नवंबर को सुबह पांच बजे ब्रह्मकुंड में स्नान, हवन, थड़िया-चौफला की प्रस्तुति, सम्मान व पुरस्कार वितरण समारोह और भंडारे में प्रसाद वितरण के साथ मेले का समापन होगा।

हनुमान का लंका गमन रहेगा आकर्षण का केंद्र

पौड़ी : बैकुंठ चतुर्दशी मेले में 26 नवंबर को पहली बार रामायण के कुछ अंशों को मार्मिक रूप में दर्शाया जाएगा। जिसमें हनुमान का वायु मार्ग से लंका गमन आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा हनुमान रावण संवाद, श्रीराम-रावण युद्ध का मंचन होगा।

खड़ा दीया अनुष्ठान के लिए 25 तक करें पंजीकरण

पौड़ी : सिद्धपीठ देवलेश्वर महादेव मंदिर बलोड़ी में निःसंतान दंपति संतान प्राप्ति के लिए खड़ा दीया अनुष्ठान करते हैं। यहां सनातन समय से यह अनुष्ठान होता है। इस वर्ष आगामी 25 नवंबर को होने वाले अनुष्ठान के लिए पंजीकरण शुरू हो गए है। अभी तक 7 निःसंतान दंपतियों ने पंजीकरण कराया है। सिद्धपीठ में यह अनुष्ठान निःशुल्क होता है। इसके लिए निःसंतान दंपति आगामी 25 नवंबर शाम चार बजे तक पंजीकरण कर सकते हैं।

महिला से दुष्कर्म के एक आरोपी को भेजा जेल, एक फरार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लाक की मनियारस्यूं पट्टी क्षेत्र में महिला से दुष्कर्म के एक आरोपी को सतपुली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरा आरोपी फरार बताया जा रहा है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

थानाध्यक्ष सतपुली दीपक तिवाड़ी ने बताया कि मनियारस्यूं क्षेत्र के एक गांव की महिला ने दो युवकों पर बीती 30 अक्तूबर को दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए 4 नवंबर को राजस्व पुलिस में मामला दर्ज करवाया था। राजस्व पुलिस को सौंपी तहरीर में महिला ने बताया कि दोनों युवकों ने 30 अक्तूबर को उसे सतपुली से घंडियाल जाने के लिए अपनी टैक्सी में बैठाया और अन्य सवारियों को रास्ते में उतार दिया था। इसके बाद दोनों युवकों ने रास्ते में महिला से दुष्कर्म किया। जिसके बाद पीड़ित महिला ने राजस्व पुलिस में तहरीर दी। जिस पर राजस्व पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए रेगुलर पुलिस को भेजा। यह मामला 7 नवंबर को रेगुलर पुलिस को हस्तांतरित किया गया। शुक्रवार को मामले के एक आरोपी को मनियारस्यूं स्थित उसके गांव से सतपुली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दूसरा आरोपी अभी फरार चल रहा है। गिरफ्तार आरोपी को जिला एवं सत्र न्यायालय पौड़ी में पेश किया गया। जहां से आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में महिला उपनिरीक्षक प्रियंका नेगी और कांस्टेबल तेज सिंह शामिल थे।

चोरी का हुआ खुलासा, सामान के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : तीन दिन पूर्व पटेल मार्ग स्थित पान की दुकान में चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी किया गया सामान भी बरामद हुआ है।

घटना के संबंध में लकड़ी पड़ाव निवासी अंकुर शर्मा ने कोतवाली में तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि आठ नवंबर को अज्ञात बदमाशों ने उनकी दुकान का ताला तोड़ वहां रहे सिगरेट, गुटखा सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपित की पहचान हो गई थी। शुक्रवार को आरोपी प्रजापति नगर निवासी राजेंद्र उर्फ कालिया को चोरी के सामान के साथ महाविद्यालय रोड से गिरफ्तार किया गया।

कोटद्वार में कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ा चोर

टीटी प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 13 को

पौड़ी : राज्य स्तरीय टीटी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए 13 नवंबर को ट्रायल होगा। टेबल टेनिस एसोसिएशन के जिला सचिव भारत बिष्ट ने बताया कि 17 नवंबर को राज्यस्तरीय टीटी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए 13 नवंबर को इंडोर क्रीड़ा हाल में ट्रायल किए जाएंगे।

जीएमओयू में संचालित होंगे वाहन, धरना किया स्थगित

कोटद्वार : यातायात कंपनी जीएमओयू लि. के वाहन स्वामियों का कंपनी मुख्यालय में चल रहा धरना कंपनी प्रबंधन से वार्ता के बाद समाप्त हो गया है। यह जानकारी देते हुए वाहन स्वामी दुर्गा प्रसाद, मनोज नैनवाल, दीपक सिंह व विजय सिंह रौथाण ने बताया कि कंपनी की ओर से कुछ वाहनों को कंपनी से पृथक करने के कारण वाहन स्वामियों ने कंपनी मुख्यालय में धरना आरंभ कर दिया था। इस पर कंपनी प्रबंधन ने वाहन स्वामियों और चालक-परिचालकों को वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता में कंपनी के संचालक मंडल और वाहन स्वामियों के मध्य वार्ता में निर्लंबित वाहनों को कंपनी में ही चलाने पर सहमति बनी। इस पर वाहन स्वामियों ने धरना समाप्त कर दिया है।

कबड्डी में खैरासैंण विजेता और कमलखेत रहा उपविजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ के तहत विकासखंड जयहरीखाल के न्याय पंचायत खैरा के राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज खैरासैंण में दो दिवसीय खेल महाकुंभ शुक्रवार को पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हो गया है।

खेल महाकुंभ में अंडर-14 व 17 बालक-बालिका वर्ग में दौड़, लम्बी कूद, चक्का, गोला, कबड्डी आदि खेलों का आयोजन किया गया। खेल महाकुंभ के रोचक कबड्डी

मुकाबले में इंटर कॉलेज खैरासैंण की टीम विजेता और इंटर कालेज कमलखेत की टीम उपविजेता रही। सभी खेलों में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार वितरित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य अनिल बिष्ट, खेल समन्वयक विनोद बिष्ट, संकुल समन्वयक टीएस रावत, दीपक काला, राजेन्द्र पंत, खेल मैदान विशेषज्ञ बीपी थालियाल, भास्कर बुडाकोटी, कृष्णमोहन सती, कीर्ति नेगी, तनवी नेगी, जयदेव बलोदी, मदन मोहन डोरियाल, शैलेन्द्र ममगाईं सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

छात्रों और ग्रामीणों ने सीखें आपदा से निपटने के गुर

नई टिहरी : जनपद के भिलंगना ब्लॉक के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिन्सवाड़ में छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय स्टाफ सहित कुल 85 लोगों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देते हुए आपदा से निपटने के गुर सिखाए। आपदा में सजग रहने की जानकारी भी दी गई।

आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि डीएम मयूर दीक्षित ने निर्देश पर जनपद के विभिन्न क्षेत्र के विद्यालयों में आपदा प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन विभाग की मदद से दिया जा रहा है। ताकि आपदा में लोग बेहतर बचाव कर सकें। इसी क्रम में राउमा विद्यालय पिन्सवाड़ में आपदा प्रबंधन विभाग ने छात्र-छात्राओं व स्टाफ सहित दर्जनों लोगों को आपदा का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन एवं अन्य महत्वपूर्ण जन-जागरूकता संबंधी जानकारियां भी दी गई। जिनमें आपदा, आपदा के प्रकार भूकम्प, भूस्खलन, त्वरित बाढ़, वनाग्नि सहित

आपदा पूर्व-दौरान-पश्चात की जानकारी दी गई। खोज बचाव उपकरणों की जानकारी, आपातकालीन स्ट्रेचर बनाना, प्राथमिक उपचार की जानकारी के साथ राज्य व जनपद आपातकालीन केंद्र के टोल फ्री नम्बरों की जानकारी और विद्यालय परिसर के सुरक्षित स्थान एवं निकासी मार्गों की भी जानकारी दी गई।

प्रधानाचार्य विकास रोशन द्वारा भी सभी छात्र-छात्राओं और उपस्थित कार्मिकों को संबोधित कर आपदा को लेकर सचेत रहने की अपील की गई। (एजेंसी)

सीएम को पांच सूत्रीय मांग पत्र भेजा

नई टिहरी : हिमालय पर्यटन संगठन टिहरी से जुड़े लोगों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को डीएम के माध्यम से 5 सूत्रीय मांग पत्र प्रेषित किया। उन्होंने सीएम से सभी मांगों पर उचित कार्यवाही की मांग की है। हिमालय पर्यटन संगठन के जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह नेगी ने बताया कि बीते गुरुवार को राज्य स्थापना दिवस के मौके पर संगठन पदाधिकारियों और सदस्यों ने बौराड़ी के गांधी आश्रम में बैठक कर विभिन्न सुझाव रखे। कहा कि बैठक में प्रतिवर्ष वन विभाग और नगर पालिका द्वारा जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र के में सैकड़ों की संख्या में पौधे लगाये जाते है, कितने पौध धरातल पर जीवित रहे पाते हैं, इनका प्रतिमाह सर्वे करवाकर शासन को रिपोर्ट भेजी जाए, प्रत्येक विद्यालय में योग को अनिवार्य किया जाए, ताकि छात्रों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्तर में सुधार हो। जिले में छुटे रमणिक स्थलों को पर्यटन डेस्टिनेशन स्थल और तीर्थटन के लिये चयनित किया जाए, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिये आध्यामिक कौशल मनोवैज्ञानिक स्तर हेतु सुधार केंद्र खोले जाए। ब्रिटिश शासनकाल की भांति प्रत्येक खाता धारक के अंश का निर्धारण जाए और उस अंश को खाता खतौनी में दर्ज किया जाए। ज्ञापन देने वालों में कमल सिंह मेहर, सीपी डबराल, राजेंद्र असवाल, डॉ. उम्मेद सिंह नेगी, सूर्यमणि भट्ट, बीसी रमोला, गंभीर सिंह चौहान, विद्या नेगी, जेपी डबराल,रागनी भट्ट, महिपाल सिंह नेगी, अनीता कंडियाल आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

25 नवंबर को अवकाश घोषित

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री मद्महेश्वर भगवान की उत्सव डोली के आगमन एवं दर्शनार्थ हेतु जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार द्वारा 25 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। जिलाधिकारी ने उक्त बाबत आदेश निर्गत करते हुए बताया कि जनपद में 03 स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने के फलस्वरूप शनिवार (25 नवंबर) को श्री मद्महेश्वर भगवान की उत्सव डोली के आगमन व दर्शनार्थ हेतु तृतीय स्थानीय अवकाश किया जाता है।

एक नजर

केवी के भवन की ऊंचाई बढ़ाने की मिली मंजूरी

नई टिहरी : टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी के भवन निर्माण में आ रही तकनीकी खामियों को पूरा कर लिया गया है। जिसके चलते अब जल्दी ही विद्यालय के भवन का निर्माण कार्य शुरू होगा। विधायक उपाध्याय ने अपर सचिव अतर सिंह के जिला विकास प्राधिकरण टिहरी को लिखे पत्र का हवाला देते हुए बताया कि आज शुक्रवार 10 नवंबर, 2023 को जारी पत्र में बताया गया है कि कि शासन ने केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी के भवन निर्माण में उंचाई का लेकर शिथिलिता दे दी है। केंद्रीय विद्यालय नई के भवन मानचित्र में भवन की उंचाई 9 मीटर के स्थान पर 14.5 मीटर अनुमन्य करने की स्वीकृति राज्यपाल ने दे दी है। जिसमें कुछ शर्तों को भी रखा गया है। उन शर्तों का अनुपालन करते हुए भवन का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा। विधायक उपाध्याय ने कहा कि शासन स्तर से विद्यालय भवन के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करवा दिया गया है। जल्दी ही भवन निर्माण होने से नई टिहरी में केंद्रीय विद्यालय का अपना नया भवन होगा। जिससे छात्रों सहित विद्यालय स्टाफ को इसका लाभ मिलेगा। (एजेंसी)

ओवर स्पीड एवं ओवर लोडिंग वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें : एडीएम

चमोली : अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने वर्चुअल माध्यम से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। जिसमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षित उपाय करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा से संबधित सभी बिन्दुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण से जुड़े सभी विभागों को निर्देशित किया कि सड़कों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता पर सुधारीकरण कार्य किए जाए। दुर्घटना संभावित स्थलों पर पैराफीट, क्रैशबैरियर एवं साइनेज लगाए जाए। सड़कों पर रोड सेफ्टी ऑडिट कार्य शीघ्र पूरा करें। पुलिस, परिवहन एवं एसडीएम अपने क्षेत्रान्तर्गत वाहनों की चेकिंग पर विशेष ध्यान दें। ओवर स्पीड एवं ओवर लोडिंग वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस दौरान पूर्व में घटित सड़क दुर्घटनाओं के कारण एवं क्षति, ब्लैक स्पॉट पर संचालित सुरक्षात्मक कायों की गहनता से समीक्षा की गई और सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

भाजपा महिला मोर्चा ने मांगा बिहार के सीएम का इस्तीफा

नई टिहरी : भाजपा महिला मोर्चा ने बिहार के मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन कर उनका पुतला दहन किया।

उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की है। बीते गुरुवार शाम को नई टिहरी के बौराड़ी स्थित गणेश में चौक में भाजपा महिला मोर्चा से जुड़ी महिलाओं ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुये,उनके इस्तीफे की मांग की।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री उर्मिला राणा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री ने बिहार विधानसभा में महिला शक्ति के प्रति अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर देश की महिलाओं का अपमान किया है।

कहा भाजपा महिला मोर्चा किसी भी सूरत में महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। बिहार के मुख्यमंत्री को देश की महिलाओं से क्षमा मांगनी चाहिए और नैतिकता के आधार अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

कहा महिला मोर्चा सड़कों पर उतरकर बिहार के मुख्यमंत्री के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। विरोध प्रदर्शन करने वालों में महिला मोर्चा मंडल महामंत्री धर्मा देवी भंडारी, सरस्वती नेगी, अंबिका मैठाणी, कमला राणा, सुलोचना बडोनी, शांता भट्ट, सरस्वती रावत, सुनीता राणा, सरिता पेटवाल, नीलम नेगी, सरिता पंवार, विमला मिश्रवाण, किरण रावत, उर्मिला नेगी, रंजना रतूड़ी, उषा रमोला, अंजू भट्ट, गोपीराम चमोली, विजय कठैत, जयेन्द्र पंवार आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

रैली निकाल कर दिया नशा मुक्ति का संदेश

उत्तरकाशी : हिन्दू जागृति संगठन के तहत 'नशा मुक्त हो भारत अपना विषय पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली नौगांव टैक्सी पार्किंग बड़कोट से मुख्य बाजार से होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर तक जन जागरूकता रैली निकाली। हिन्दू जागृति संगठन के अध्यक्ष स्वामी केश-व गिरी महाराज ने कहा कि नशा मुक्ति से ही देश एवं समाज की तरक्की संभव है। नशे ने हमारे समाज को खोखला कर दिया है और हमारी युवा पीढ़ी को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है।

उत्तरकाशी को नशा मुक्त बनाने के लिए हम सभी को जागरूक होकर समाज को भी जागरूक करना होगा। इसके बाद रैली टैक्सी स्टेशन पार्किंग से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार से होते हुए वापस पार्किंग में पहुंचने पर संपन्न हुई। इस मौके पर अध्यक्ष स्वामी केशवगिरी महाराज, उपाध्यक्ष सोबन सिंह राणा,जय हो ग्रुप संयोजक सुनील थपलियाल, संरक्षक यशवंत रावत, नीरज रावत, शिवांश डोभाल, राजेश नेगी, महामंत्री धनवीर रावत, विजय रावत, अजय रावत, रोहन चौहान, अजय चौहान, वीरपाल नेगी, तरवीन राणा, शिवम सेमवाल, पूरन फर्स्वाण, अमित रावत आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

पुलिस ने लौटाए खोए हुए मोबाईल

चमोली : जनता के खोए हुए 50 फोन को चमोली पुलिस ने तलाश कर फोन धारकों को वापस लौटा दिया है। इनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने जनता से प्राप्त मोबाइल फोन गुमशुदगी की लिखित शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुये प्रभारी मोबाइल रिकवरी सेल को गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी हेतु त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

पुलिस पाधीक्षक ऑपरेशन नताशा सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी मोबाइल रिकवरी सेल उनि नवनीत भंडारी एवं उनकी टीम द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोन के आईएमईआई नम्बरों को सर्विलांस की सहायता से ट्रेस में लगाकर अलग–अलग स्थानों एवं कम्पनियों के लगभग 50 एक्टिव मोबाइल फोन को सकुशल बरामद किया गया। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने फोन स्वामियों के सुपुर्द कर दीपावली का तोहफा दिया।

खरीदारों की भीड़ से गुलजार रहे बाजार

उत्तरकाशी : धनतेरस के पर्व पर उत्तरकाशी के बाजार खरीदारों की भीड़ से गुलजार रहे। दीपावली का सामान खरीदने के लिए बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर क्षेत्र में दिनभर खरीदारों की भीड़ के चलते दुकानदारों ने खूब चांदी बटोरी। भीड़ भाड़ को देखते हुए शहर के तमाम जगहों पर पुलिस बैरियर लगाकर मुस्तैद रही। शुक्रवार को उत्तरकाशी नगर बाजार में खरीदारों के लिये बड़ी तादाद में लोगों की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही बाजार गुलजार रहे। देर रात तक बाजार में खरीदारों की भीड़ लगी रही। बाजार में भीड़ भाड़ को काबू में रखने के लिए उत्तरकाशी पुलिस ने जगह-जगह मुस्तैद रही। वहीं जनपद सीमा बैरियरों पर भी पुलिस संदिग्ध व्यक्ति, वाहन व गतिविधियों पर लगातार पैनी नजर बनाये हुयी है। दीपावली में भीड़भाड़ व जाम की स्थिति से निपटने के लिये बाजार व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर यातायात को डायवर्ट किया गया है। एसपी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि त्योहार के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के लिये सभी पुलिस अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस नजर बनाये हुयी है। उन्होंने दीपावली पर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की हिदायत दी। (एजेंसी)

सम्पादकीय

पुलिस प्रबंधन पर करारा प्रहार

उत्तराखंड में कानून व्यवस्था भले ही कागजों में बेहद मजबूत नजर आती हो लेकिन धरातल पर इसका स्वरूप बुरी तरह से बिगड़ा हुआ है। आपराधिक मामलों की बात हो या फिर यातायात संबंधी व्यवस्थाएं उत्तराखंड पुलिस कहीं ना कहीं पिछड़ती हुई नजर आ रही है। राज्य स्थापना दिवस पर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम चल रहा था और समूचा पुलिस तंत्र उनकी सुरक्षा ड्यूटी में सड़कों पर उतरा हुआ था। आम लोगों को यातायात डायवर्सन के नाम पर इधर–उधर खड़े रहने वाली भारी भरकम पुलिस फोर्स की मौजूदगी के बावजूद दून की सबसे व्यस्ततम सड़क रायपुर रोड में रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में बदमाशों ने 10 करोड़ से भी ऊपर की जूलरी लूट कर पुलिस व्यवस्थाओं को मिट्टी में मिला दिया। जब तक पुलिस घटना की सूचना मिलने के बाद बदमाशों को पकड़ने का काम शुरू करती तब तक बदमाश अपने वहां छोड़कर राज्य की सीमा पार कर चुके थे। इधर पुलिस अंधेरे में हाथ पर मरते–मरते फिलहाल इतना ही पता लगा पाई है कि डकैतों ने जो वाहन प्रयोग किए थे वह छोरी के हैं। इसमें ऐसी उल्लेखनीय बात भी नहीं है क्योंकि इस प्रकार की हाई वोल्टेज डकैती चोरी के वाहनों से ही संभव है। इस घटना के बाद उत्तराखंड पुलिस और खास तौर से देहरादून पुलिस टिकट घर में खड़ी है क्योंकि पिछले कुछ दिनों में जिस प्रकार से स्ट्रीट क्रीम पर थानेदारों को 24 घंटे का अल्टीमेटम देकर घटनाओं का खुलासा किया जा रहा था उसकी भी पोल खोल कर सामने आ गई है। 24 घंटे के अल्टीमेटम में बदमाशों को पकड़ने वाली देहरादून की काबिल पुलिस 2 दिन बाद भी बदमाशों तक नहीं पहुंच पाई है। दिनदहाड़े होने वाली इस प्रकार की घटनाएं सीधे तौर पर पुलिस की कमियों को ही दर्शाता है और यदि ऐसी घटनाएं राष्ट्रपति जैसे वीआईपी मूवमेंट के दौरान प्रकाश में आए तो समझ लेना चाहिए कि बदमाशों की व्यवस्थाएं पुलिस प्रबंधन से कहीं अधिक मजबूत है। संभावना है कि कुछ दिनों में करोड़ों रुपए की डकैती करने वाले यह बदमाश पकड़े जाएं लेकिन जिस प्रकार से देहरादून के हृदय राजपुर रोड में इस घटना को अंजाम दिया गया है वह यह साबित करने के लिए काफी है कि राजधानी देहरादून में पुलिस नेतृत्व बेहद कमजोर है और जो कुछ अब तक दिखाया जा रहा है आईने के पीछे उसकी तस्वीर कुछ और ही है। इस प्रकार की घटनाएं आम व्यक्ति में भी दहशत पैदा करती हैं, चाक चौबंद कड़े सुरक्षा प्रबंधन के बावजूद भी यदि बदमाश पूरा सुरक्षा तंत्र भेद कर कई किलोमीटर दूर निकल जाए तो समझ लेना चाहिए कि पुलिस के संचार तंत्र में ही छेद है। राज्य गठन के बाद उत्तराखंड पुलिस को मित्र पुलिस के तौर पर पेश करने का प्रयास किया गया लेकिन मित्रता पेश करते–करते सहित पुलिस को क्या बदमाशों एवं उनके अपराध करने के तरीके से लड़ना ही भूल गई। महेश वीआईपी ड्यूटी कर अपनी पीठ थपथपाने से ही यदि अपराध नियंत्रण हो पता तो शायद उत्तराखंड अब तक अपराध शून्य प्रदेश बन जाता।

उफ! बिहार की दुर्दशा, सभी जिम्मेवार

बिहार की यह बदहाली सभी जातियों की सामूहिक बदहाली है। ऐसा नहीं है कि अगड़ी जातियां इस बदहाली से बाहर हैं। बिहार में हिंदू सवर्णों की चार और मुस्लिम सवर्णों की तीन जातियां हैं। इन सात जातियों में सबसे ज्यादा गरीब भूमिहार हैं। सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 28 फीसदी भूमिहार परिवारों की मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। इसके बाद राजपूत, ब्राह्मण, शेख, सैयद और पठान आते हैं। सवर्णों में सबसे बेहतर स्थिति कायस्थों की है। कुल मिला कर 25 फीसदी सवर्ण परिवार छह हजार रुपए की मासिक आय वाली श्रेणी में हैं, जबकि 34 फीसदी पिछड़ी आबादी इस श्रेणी में आती है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्थिति सबसे खराब है, जिनमें 42 फीसदी से ज्यादा परिवार छह हजार रुपए आय वाली श्रेणी में है।

अजीत द्विवेदी

बिहार सरकार ने सात नवंबर को विधानमंडल में बिहार की दुर्दशा के दस्तावेज पेश किए। इससे पहले दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर बिहार सरकार ने जाति गणना के आंकड़े जारी किए थे, जिससे पता चला था कि बिहार में 63 फीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है, अनुसूचित जाति की आबादी 20 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की आबादी एक फीसदी है, जबकि सवर्ण आबादी सिर्फ साढ़े 15 फीसदी है। इसके बाद सात नवंबर को बिहार सरकार ने इन जातियों की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति के आंकड़े पेश किए, जिससे इन सबकी सामूहिक दुर्दशा का पता चला। भारत सरकार का नीति आयोग बिहार में पिछड़ेपन और गरीबी के जो आंकड़े पिछले अनेक साले से पेश करता आ रहा है उन सबकी पुष्टि बिहार में हुए सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से हो गई है। बिहार हर पैमाने पर देश का सबसे गरीब, पिछड़ा और अनपढ़ राज्य है, यह तथ्य स्थापित हुआ है।

बिहार के सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि बिहार के 34 फीसदी परिवार की हर स्रोत से सामूहिक आय छह हजार रुपए महीने से कम है। इसका मतलब है कि अगर एक परिवार में पांच व्यक्ति हैं तो प्रति व्यक्ति मासिक आय 12 सौ रुपए यानी 40 रुपए रोज है। इसके बाद जो दूसरी श्रेणी है, जिनकी आय छह से 10 हजार के बीच है उनकी संख्या 29 फीसदी से कुछ ज्यादा है। इस श्रेणी के परिवारों की प्रति व्यक्ति आय दो हजार रुपए महीना यानी प्रतिदिन 70 रुपए से कम है। सोचें, बिहार के तीन में से दो व्यक्ति 70 रुपए रोज से कम आय वाले हैं! जिस बिहार के बारे में यह धारणा बनी है या बनाई गई है कि वहां से बड़ी संख्या में आईएएस–आईपीएस बनते हैं या आईआईटी–आईआईएम में जाते हैं वहां सिर्फ सात फीसदी लोग ग्रेजुएट हैं और महज एक फीसदी लोगों ने पोस्ट ग्रेजुएट तक पढ़ाई की है।

कुल 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार में सिर्फ पांच फीसदी लोग नौकरी करते हैं। इसमें सरकारी नौकरी करने वाले शामिल हैं तो साथ ही संगठित और असंगठित निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले भी हैं। बिहार को लेकर यह भी एक मिथक है कि यह कृषि प्रधान प्रदेश है लेकिन सरकार द्वारा पेश किए गए सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला है कि सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और चार फीसदी से कुछ कम लोग स्वरोजगार करते हैं। सबसे ज्यादा 17 फीसदी लोग मजदूरी करते हैं। सरकार ने इसमें 67 फीसदी की एक श्रेणी अलग बनाई है, जिनको गृहिणी और विद्यार्थियों की श्रेणी कहा गया है। इसका मतलब है कि इतने लोग कोई काम नहीं करते हैं। सोचें, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला सशक्तिकरण के दावों के बारे में! महिलाओं के लिए कितना कुछ करने के दावे किए जाते हैं लेकिन हकीकत यह है कि आधी आबादी का बड़ा हिस्सा गृहिणी है, जिसका मतलब यह है कि आय अर्जित करने वाला कोई काम उनके पास नहीं है। सवाल है कि जब आधी आबादी के पास कोई काम नहीं होगा तो कोई भी राज्य या देश कैसे प्रगति कर सकता है?

बिहार की यह बदहाली सभी जातियों की सामूहिक बदहाली है। ऐसा नहीं है कि अगड़ी जातियां इस बदहाली से बाहर हैं। बिहार में हिंदू सवर्णों की चार और मुस्लिम सवर्णों की तीन जातियां हैं। इन सात जातियों में सबसे ज्यादा गरीब भूमिहार हैं। सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 28 फीसदी भूमिहार परिवारों की मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। इसके बाद राजपूत, ब्राह्मण, शेख, सैयद और पठान आते हैं। सवर्णों में सबसे बेहतर स्थिति कायस्थों की है। कुल मिला कर 25 फीसदी सवर्ण परिवार छह हजार रुपए की मासिक आय वाली श्रेणी में हैं, जबकि 34 फीसदी पिछड़ी आबादी इस श्रेणी में आती है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की स्थिति सबसे खराब है, जिनमें 42 फीसदी से ज्यादा परिवार छह हजार रुपए आय वाली श्रेणी में है। ज्यादातर लोग कच्चे या खपरैल के मकानों में रहते हैं और महज पांच फीसदी आबादी के पास ही किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है।

बिहार और उसके 13 करोड़ लोगों की बदहाली का यह आंकड़ा पेश करने के बाद बिहार सरकार ने जो कथित मास्टरस्ट्रोक चला है वह आरक्षण की सीमा बढ़ाने का है। सोचें, जो काम आरक्षण की 60 फीसदी की सीमा में नहीं हुआ क्या वह 75 फीसदी कर देने से हो जाएगा? जाहिर है यह वोट लेने के लिए लोगों को मूर्ख बनाने का एक दांव है। सो, अब बड़ा सवाल है कि बिहार की इस बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन है? इस सवाल का जवाब बहुत मुश्किल नहीं है। बिहार की इस दुर्दशा में सभी पार्टियां समान रूप से शामिल हैं। बिहार में पिछले 33 साल से या तो लालू प्रसाद की पार्टी राजद का मुख्यमंत्री रहा या नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का मुख्यमंत्री रहा। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे तो तेजस्वी यादव दो बार में तीन साल उप मुख्यमंत्री रहे हैं। नीतीश कुमार 17 साल मुख्यमंत्री रह चुके। एक साल से कुछ कम समय के लिए उन्होंने जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश के साथ करीब 13 साल तक भाजपा भी सरकार में रही और पहले सुशील मोदी फिर बाद में तारकिशोर प्रसाद व रेणु देवी उप मुख्यमंत्री रहे। अलग अलग समय में कांग्रेस भी आठ साल तक राजद और जदयू के साथ सरकार में रही है। सो, दोनों बड़ी प्रादेशिक पार्टियां और दोनों राष्ट्रीय पार्टियां लगभग समान रूप से बिहार की इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं।

यह बिहार का दुर्भाग्य है, जो किसी भी सरकार या मुख्यमंत्री ने विकास की दृष्टि नहीं दिखाई। सबने उतना ही काम किया, जितना सरकारी फंड खर्च करने के लिए जरूरी था। बिहार के दोनों नेताओं, लालू प्रसाद और नीतीश कुमार का रोना रहा है कि बिहार लैंड लॉक्ड स्टेट है यानी समुद्र और बंदरगाह नहीं है और झारखंड अलग होने के बाद कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं है। इस कमी के बावजूद औद्योगिक विकास हो सकता था और रोजगार का सृजन संभव था। आईटी और आईटी आधारित सेवाओं का कारोबार जब फला–फूला तब बिहार में उस दिशा में काम हो सकता था। आज दुनिया भर के कपड़े बांग्लादेश में सिल रहे हैं क्या वह काम बिहार में नहीं हो सकता था? बिहार एक समय छोटे और बड़े उद्योगों का केंद्र रहा था। बरौनी रिफाइनरी से लेकर सिंदरी के खाद कारखाने और बोकारो से लेकर जमशेदपुर तक स्टील की फैक्टरियां चलती थीं। हर जिले में एक या उससे ज्यादा चीनी मिल था। इनमें कोई नई चीज जोडऩा तो छोड़ दिए इन्हें भी चलाए रखना मुश्किल हो गया।

केरल: सत्ता का दुरुपयोग

तमिलनाडु में पिछले वर्ष भी संघ के पथ संचलन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी और सरकार मामला सवीच्च न्यायालय तक ले गई थी। सवीच्च न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाई थी। बावजूद इस वर्ष फिर वही रवैया पुलिस प्रशासन का रहा तो इसे क्या कहेंगे? उच्च न्यायालय ने पुलिस को डांट लगाते हुए कहा है कि इस तरह के तर्क सेक्यूलरवाद के ही विरु द्ध है। पुलिस पथ संचलन होने दे और ऐसी व्यवस्था करे ताकि वह शांतिपूर्वक संपन्न हो जाए।

अवधेश कुमार

केरल की वाम मोर्चा सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने का आदेश खुले समाज एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले सभी के लिए चिंता का कारण होना चाहिए। इसी तरह की कोशिश तमिलनाडु की द्रमुक नेतृत्व वाली सरकार भी कर रही है।

केरल में सरकारी त्रावनकोर देवासम बोर्ड ने एक सकरुलर या परिपत्र जारी कर मंदिरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस बोर्ड के नियंत्रण में करीब 1200 मंदिर हैं। तमिलनाडु पुलिस ने संघ के रूट मार्च यानी पथ संचलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

पुलिस का कहना था कि पथ संचलन के रास्ते में मस्जिद और चर्च के साथ कुछ पार्टियों के कार्यालय हैं और शांति भंग होने की आशंका है। इन दोनों सरकारी कदमों को देखें तो निष्कर्ष यही आता है कि ये संघ के बढ़ते जनाधार को सहन नहीं कर पा रहे और सत्ता का दुरुपयोग कर येन–केन–प्रकारेण उसके कार्यक्रमों को बाधित करने की कुचेष्टा में संलिप्त हैं। केरल सरकार नियंत्रित बोर्ड के सकरुलर की भाषा इतनी सख्त है कि सामान्य तौर पर बोर्ड के अधिकारियों–कर्मचारियों के सामने इसके पालन करने की शत–प्रतिशत अपरिहार्यता है। सकरुलर में अधिकारियों से मंदिरों में औचक निरीक्षण करने का निर्देश है ताकि उसके अनुसार यह पता चल सके कि क्या संघ या दूसरे विचारधारा वाले संगठन मंदिरों में सभा, हथियारों का प्रशिक्षण या शाखा वगैरह तो नहीं लगा रहे।

देवास्वोम विजिलेंस विंग को भी औचक छापेमारी का निर्देश भी है। इसका उद्देश्य भी यही पता करना है कि मंदिरों की संपत्तियों का कहीं यह संगठन अपने कार्यक्रमों प्रशिक्षणों आदि के लिए उपयोग तो नहीं कर रहे हैं। तमिलनाडु में पिछले वर्ष भी संघ के पथ संचलन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी और सरकार मामला सवीच्च न्यायालय तक ले गई थी। सवीच्च न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाई थी। बावजूद इस वर्ष फिर वही रवैया पुलिस प्रशासन का रहा तो इसे क्या कहेंगे? उच्च न्यायालय ने पुलिस को डांट लगाते हुए कहा है कि इस तरह के तर्क सेक्यूलरवाद के ही विरु द्ध है। पुलिस पथ संचलन होने दे और ऐसी व्यवस्था करे ताकि वह शांतिपूर्वक संपन्न हो जाए।

यह उदाहरण कुछ राजनीतिक पार्टियों और नेताओं का संघ के प्रति आचरण को साबित करने के लिए पर्याप्त है। केरल सरकार ने कर्मचारियों और पुजारियों को चेतावनी दिया है कि ऐसे संगठनों की उपस्थिति और उनके संचालन के बारे में टीडीबी प्रबंधन को सूचित नहीं करने वालों को कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

अयोध्या : रामभद्राचार्य बोले– राम मंदिर के बाद अब मथुरा की बारी, भगवान करे भारत जल्द बने हिंदू राष्ट्र

अयोध्या, एजेंसी। चित्रकूट के जगद्गुरु रामभद्राचार्य का 75वां जन्मदिवस 14 जनवरी को अयोध्या में अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इसी बीच 16 से 22 जनवरी तक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से संबंधित अनुष्ठान भी होंगे। कार्यक्रम में 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ होना है। इसको लेकर शुक्रवार को बड़ा भक्तमाल में भूमिपूजन व ध्वजारोहण हुआ। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि राममंदिर बन रहा है। अब मथुरा की बारी है। भगवान करे भारत जल्द से जल्द हिंदू राष्ट्र बने।

रामभद्राचार्य ने कहा कि राममंदिर को लेकर उनकी भूमिका सभी जानते हैं। उन्होंने सात दिनों तक कोर्ट में गवाही दी थी। करीब 50 प्रश्नों का समाधान किया था। वेद में रामजन्मभूमि का जिक्र है। इसका भी प्रमाण दिया था। आज राममंदिर बन रहा है। राममंदिर निर्माण के लिए 22 करोड़ का चंदा दिलाया है। महोत्सव में 75 देशों के भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित करेंगे।

इससे पहले भूमि पूजन में पहुंचे प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि राममंदिर के उद्घाटन से पूरी दुनिया में सनातन धर्म का ध्वज बुलंद होगा। भूमिपूजन की अध्यक्षता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने की। भूमिपूजन में जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य, जगद्गुरु डॉ राघवाचार्य, महंत रामशरण दास, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, महंत धर्मदास, अधिकारी राजकुमार दास, महंत रामभूषण दास कृपालु, महंत शशिकांत दास, महंत जयरामदास समेत सैकड़ों की संख्या में संत व भक्त मौजूद रहे।

रामभद्राचार्य ने कहा कि मेरा अमृत महोत्सव रामलला ही मना रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर भारत को मिल जाए, इस यज्ञ से यही कामना है। रामचरित मानस व सनातन धर्म पर टिप्पणी करने वालों पर कहा कि वे मूर्ख हैं, मूर्खों पर ज्यादा चर्चा नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम में पहुंचे बिहार के राज्यपाल आनंद आर्लेकर ने कहा कि संत हमेशा से समाज का मार्गदर्शन करते रहे हैं। विश्व गुरु बनने से भारत को कोई रोक नहीं सकता। अब भारत सोने की चिड़िया नहीं बनेगा, बल्कि सोने का शेर बनेगा। इसकी दहाड़ पूरा विश्व सुनेगा।

हूती विद्रोहियों ने इजरायली शहर पर मिसाइल हमले का किया दावा

सना/जेरूसलम ,एजेंसी। यमन में ईरान समर्थित हौथी मिलिशिया ने गाजा पट्टी में जारी बमबारी के जवाब में दक्षिणी इजरायली शहर इलियट पर लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला करने की जिम्मेदारी ली है। मिसाइलों ने इलियट में सैन्य ठिकानों सहित विभिन्न संवेदनशील लक्ष्यों को निशाना बनाया।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सफल रहा और दुश्मन द्वारा मामले को गुप्त रखने की परवाह किए बिना चुने गए लक्ष्यों पर सीधा हमला किया गया। सरिया ने कहा, यमनी सशस्त्र बल गाजा में तब तक अपना अभियान जारी रखेंगे और जब तक वहां इजरायली आक्रमकता बंद नहीं हो जाती।बीती रात अलग–अलग संवाददाता सम्मेलनों में, इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट और इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी दोनों ने कहा कि वे अभी भी घटना पर नजर रख रहे हैं। 7 अक्टूबर को इज़राइल–हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से हौथी मिलिशिया द्वारा दावा किया गया यह छठा सीमा पार हमला है।हौथिस ने यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह के पास एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया। उसी दिन, इज़राइल ने कहा था कि उसने एरो 3 एंटी–बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम का उपयोग करके लाल सागर क्षेत्र से देश की ओर लॉन्च की गई एक मिसाइल को रोक दिया। इज़रायली सेना ने दावा किया कि एरो 3 दुनिया में अपनी तरह की सबसे उन्नत वायु और मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक है।

भारत ही नहीं, विश्व के 90 देशों में मनाई जाती है दिवाली, यहां होता है राष्ट्रीय अवकाश

शिमला, एजेंसी। दुनिया के 90 से ज्यादा देशों में दिवाली का त्यौहार मनाया गया था। दिवाली ग्लोबल फेस्टिवल बन रहा है। दिवाली पर मलेशिया, फिजी, नेपाल, मारीशस, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देशों में राष्ट्रीय अवकाश होता है। भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दिवाली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे–धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में ये भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है। अन्य दूसरे स्थानों में ये सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। दुनिया में अब इसकी धूम मच गई है। जहां भी भारतीय रह रहे हैं, वहां पर दिवाली को मनाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय शिमला में अंबेडकर पीठ के अध्यक्ष प्रोफेसर विवेकानंद तिवारी ने कहा कि एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों के साथ–साथ अन्य पंथ के लोग भी दिवाली को उत्साहपूर्वक मनाते हैं। भारत के बाहर दिवाली पर्व सबसे ज्यादा इंग्लैंड में मनाया जाता है। पिछले वर्ष ब्रिटेन की संसद परिसर में मोमबत्ती जला कर दिवाली मनाई गई। उन्होंने कहा यहां रहने वाले 16 लाख ब्रिटिश–भारतीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और पत्नी अक्षता मूर्ति ने दिवाली से पहले हिंदू समुदाय के मेहमानों का स्वागत किया, जबकि नेपाल में जहां दिवाली के इस पर्व में पालतू जानवरों

को शामिल किया जाता है। यहां पर दिवाली के दिन जानवरों सजाया जाता है और उनके खान–पान का विशेष ध्यान रखा जाता है। मलेशिया में ओपन हाउसेस मलेशियाई हिंदू (तमिल, तेलुगू और मलयाली) द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इसमें भोजन के लिए अपने घर में अलग अलग जातियों और धर्मों के साथी मलेशियाई लोगों का स्वागत करते हैं. मलेशिया में दीवाली का त्यौहार धार्मिक सद्भावना और मलेशिया के धार्मिक और जातीय समूहों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए एक अवसर बन गया है।

सिंगापुर में हिंदुओं के लिए यह एक वार्षिक उत्सव है। दिवाली एक राजपत्रित सार्वजनिक अवकाश है। अल्पसंख्यक भारतीय समुदाय (तमिल) इसे मुख्य रूप से मनाते हैं। श्रीलंका में ये त्यौहार एक सार्वजनिक अवकाश के रूप में तमिल समुदाय द्वारा मनाया जाता है। इस दिन लोग सुबह के समय तेल से स्नान करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, उपहार दिए जाते हैं. पुसै (पूजा) के लिए कोइल (हिंदू मंदिर) जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के मेलबॉर्न में दिवाली को भारतीय मूल के लोगों और स्थानीय लोगों के बीच सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है। फेडरेशन स्क्वायर पर दीपावली को विक्टोरियन आबादी और मुख्यधारा द्वारा गर्मजोशी से अपनाया गया है। सेलिब्रेट इंडिया इंकॉर्पोरेशन ने 2006 में मेलबोर्न में प्रतिष्ठित फेडरेशन स्क्वायर पर दीपावली समारोह शुरू किया था। अब यह समारोह मेलबॉर्न के कला कैलेंडर का हिस्सा बन गया है और शहर में इस समारोह को एक सप्ताह से अधिक समय तक मनाया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2003 में दिवाली को व्हाइट हाउस में पहली बार मनाया गया और पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज वॉकर बुश ने 2007 में संयुक्त राज्य अमेरिका कांग्रेस द्वारा इसे आधिकारिक दर्जा दिया गया। 2009 में बराक ओबामा, व्हाइट हाउस में व्यक्तिगत रूप से दिवाली में भाग लेने वाले पहले राष्ट्रपति बने। न्यूजीलैंड में दिवाली धूमधाम से मनाई जाती है. न्यूजीलैंड में एक बड़े समूह दिवाली मानते हैं जो भारत–फ़ीजी समुदायों के सदस्य हैं जो कि प्रवासित हैं और वहां बसे हैं। पाकिस्तान में मौजूद हिंदू दिवाली उसी तरह मनाते हैं, जैसे भारत में पाकिस्तान में मौजूद 75 लाख के करीब हिंदू वहां दिवाली धूमधाम से मनाते हैं। बंगलादेश में बंगाली हिंदुओं ने अपने घरों में मिट्टी के दीपक जलाकर, पटाखे फोडक़र और मिठाइयां बांटकर त्योहार मनाया जाता है। कनाडा में अधिकतर पंजाबियों की संख्या है। वहां पर बड़ी संख्या में पंजाबी रहते हैं। पंजाबियों में भी दिवाली का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। कनाडा में आज के दिन सडक़ों पर अलग ही रोशनी दिखाई देती है। कैरेबियाई द्वीप त्रिनिदाद एंड टोबैगो में दिवाली के अलावा रामलीला का भी मंचन होता है। कहा जाता है कि भारत के बाद दूसरे नंबर पर सबसे खास तरीके से त्रिनिदाद एंड टोबैगो में दिवाली मनाई जाती है। त्रिनिदाद में त्रिनिदाद क्रेओले और तोबागोना में तोबागोना क्रेओले स्पेनी, भारतीय, अफ्रीकी और यूरोपीय विरासत को उजागर करती हैं। मॉरिशियस देश में 50 प्रतिशत आबादी हिंदू है। दिवाली यहां बहुत गर्मजोशी से मनाई जाती है और इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रहता है। यह अफ्रीकी महाद्वीप के तट के दक्षिणपूर्व में लगभग 900 किलोमीटर की दूरी पर हिंद महासागर और मेडागास्कर के पूर्व में स्थित एक द्वीपीय देश है। इंडोनेशिया में इतनी बड़ी भारतीय आबादी नहीं है। फिर भी यहां दिवाली एक बड़ा त्योहार है। भारत में दिवाली पर किए जाने वाले लगभग सभी अनुष्ठानों का पालन इंडोनेशिया में भी किया जाता है। फिजी में विशाल भारतीय आबादी के कारण दिवाली यहां बहुत धूमधाम से मनाई जाती है।

लाहुल घाटी में बर्फबारी, रोहतांग दर्रे ने भी ओढ़ी चांदी, मनाली लेह मार्ग दारचा से आगे बंद

कुल्लू, एजेंसी। जनजातीय जिला लाहुल–स्पीति में बर्फबारी के चलते घाटी में कड़ाके की ठंड पड़ गई है। इसके अलावा लाहुल की तीनन घाटी में हल्की बर्फबारी का दौर अभी भी जारी है, वही रोहतांग दर्रा सहित अन्य इलाकों में भी ताजा हिमपात हुआ है। घाटी में हिमपात के चलते सडक़ भी वाहनों की आवाजाही के लिए प्रभावित हुई है। इसके अलावा मनाली लेह सडक़ मार्ग पर भी बर्फबारी हुई है। ऐसे में अगर इस मार्ग पर बर्फबारी अधिक होती है, तो वाहनों की आवाजाही को रोक दिया जाएगा। हालांकि मनाली लेह मार्ग दारजा से आगे बंद हो गया है।

लाहुल घाटी में बर्फबारी होने के चलते जहां कृषि कार्य प्रभावित हुए हैं, तो वहीं बेहतर पर्यटन की उम्मीद भी अब पर्यटन कारोबारियों में जग गई है। मनाली में भी प्राकृतिक आपदा के बाद अब हालात सामान्य हुए हैं और पर्यटक बाहरी राज्यों से मनाली के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भी रुख कर रहे हैं।

मथुरा भूमि विवाद पर हाईकोर्ट की कार्यवाही जारी रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह भूमि विवाद से संबंधित मुकदमों पर कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दोनों पक्षों की दलीलों को सुने बिना उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा।

शुक्रवार को शीर्ष अदालत उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आदेश के बाद हाईकोर्ट ने मथुरा की निचली अदालत के समक्ष लंबित विवाद से संबंधित सभी मामलों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "दोनों पक्षों को सुने बिना, उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। पिछली बार, हमने इस पर रोक नहीं लगाई थी। अब, आप कहते हैं कि कुछ और कहा जाना बाकी है। इसका मतलब यह नहीं है कि वहां रुकना होगा।"

कमेटी ऑफ मैनेजमेंट ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की तरफ से दायर याचिका

पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ में सुनवाई हुई। पीठ में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने का आग्रह किया। कमेटी ने उच्च न्यायालय के 26 मई के आदेश को चुनौती दी है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय के समक्ष कुल मिलाकर 18 याचिकाएं लंबित हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उनके पास मुकदमा लड़ने के लिए इलाहाबाद जाने के लिए वित्तीय साधन नहीं हैं। मथुरा से इलाहाबाद की दूरी लगभग 600 किमी से अधिक है।

वकील ने कहा कि दिल्ली में मुकदमों की सुनवाई उनके लिए सुविधाजनक होगी,

सुप्रीम कोर्ट में 9 जनवरी को सुनवाई

क्योंकि मथुरा से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने में दो से तीन घंटे लगते हैं। पीठ ने कहा कि इस दलील को स्वीकार करना बहुत मुश्किल है क्योंकि दिल्ली की अदालत पर पहले से ही अत्यधिक बोझ है। न्यायमूर्ति कौल ने कहा, "व्यक्तिगत रूप से, मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय पर अविश्वास नहीं दिखा सकता।"

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "यह हमें स्वीकार्य नहीं है कि आप दिल्ली आ सकते हैं लेकिन इलाहाबाद नहीं जा सकते।" पीठ ने कहा कि उसे मामले की सुनवाई करनी होगी और उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का परीक्षण करना होगा। पीठ ने कहा, "हमें सुनना होगा कि हम इसे मुकदमे के रूप में क्यों लें? इसे किसी अन्य सामान्य मामले की तरह ही रहने दें।" पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई करनी होगी और दोनों पक्षों से कहा कि वे अपनी दलीलों को संक्षेप में दाखिल करें जो तीन पृष्ठों से अधिक का न हो। अदालत ने मामले को 9 जनवरी को सुनवाई के लिए पोस्ट किया।

रक्षा मंत्री ऑस्टिन का भारत दौरा अहम, 2—प्लस—2 वार्ता में कनाडा—खालिस्तान से जुड़ी चिंता पर बात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों पर अपनी गंभीर चिंताओं से अमेरिका को अवगत कराया है। भारत ने टू प्लस टू विदेश और रक्षा मंत्रीस्तरीय बैठक में अपनी चिंताओं को उजागर किया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, "हमने अपनी चिंताओं को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है।" बता दें कि खालिस्तान और चरमपंथ से जुड़े मुद्दे बेहद संवेदनशील हैं। गत दिनों प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं।

क्वात्रा ने कहा, "हमारी मुख्य चिंताएं सुरक्षा को लेकर हैं। मुझे यकीन है कि आप सभी हाल ही में एक ऐसे व्यक्ति के सामने आए वीडियो से अवगत होंगे।" उन्होंने कहा कि अमेरिकी पक्ष नई दिल्ली की चिंताओं को समझता है। बता दें कि कनाडा पहले ही भारत से 41 राजनयिकों और उनके परिवार

के सदस्यों को वापस बुला चुका है। भारत ने पहले ही कुछ वीज़ा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं।

बता दें कि कनाडा के सरे शहर में जून में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाए थे। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव बना हुआ है। ट्रूडो के आरोपों के कुछ दिनों बाद, भारत ने कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। राजधानी ओटावा को भेजे सख्त संदेश में भारत ने कहा, समानता सुनिश्चित करने के लिए कनाडा को भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने के लिए कहा गया।

भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू (2+2) वार्ता की अहमियत को लेकर भी विदेश मंत्रालय की तरफ से अहम बयान सामने आया। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन के भारत दौरे के बीच विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि दोनों देश आपसी सहयोग को लेकर प्रतिबद्ध हैं। क्वात्रा ने कहा कि टू प्लस टू वार्ता काफी फायदेमंद है और पांचवें संस्करण का समापन ठोस तरीके से हुआ है। विदेश सचिव ने बताया कि आज की बैठकें और बैठक के आसपास का माहौल द्विपक्षीय साझेदारी की स्थायी प्रतिबद्धता का संकेत थीं।

उन्होंने कहा, "विशेष रूप से महत्वपूर्ण बात यह है कि इस साझेदारी को और अधिक विस्तारित करने और इसे और अधिक गहरा करने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने की इच्छा रखते हैं।" विदेश सचिव विनय क्वात्रा के मुताबिक 2+2 चर्चा में, दोनों पक्षों के प्रमुखों – भारतीय पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने भाग लिया। अमेरिका की ओर से राज्य सचिव और रक्षा सचिव – ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की।

क्वात्रा ने बताया कि भारत और अमेरिका ने कई साझेदारियों पर चर्चा की। व्यापार और निवेश साझेदारी, प्रौद्योगिकी साझेदारी, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र से संबंधित साझेदारी, विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के मूल्य और आपूर्ति श्रृंखला प्रतिभूतिकरण, अंतरिक्ष के क्षेत्र में साझेदारी पर प्रमुखता से बातें हुई। दोनों देशों के बीच निरंतर भागीदारी पर भी बातें हुईं।

शमी ने डीआरएस हेरफेर के दावे पर पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी की आलोचना की

नई दिल्ली, भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा की भारत के खिलाफ गेंदों के अलग-अलग सेट का उपयोग करने के उनके विचित्र दावों के लिए आलोचना की।

रजा ने आरोप लगाया था कि भारत को आईसीसी और बीसीसीआई द्वारा गेंदों का एक अलग सेट दिया जा रहा है, जिससे उन्हें मौजूदा वनडे विश्व कप 2023 में गेंद से किसी अन्य की तुलना में बेहतर प्रभाव डालने का मौका मिले।

रजा के हवाले से कहा गया, हम देख रहे हैं कि जब वे बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो वे वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और जब भारत गेंदबाजी करता है तो अचानक गेंद हरकत करने लगती है। 7-8 करीबी डीआरएस कॉल उनके पक्ष में गए हैं।

जिस तरह से सिराज और शमी गेंद को स्विंग करा रहे थे, ऐसा लग रहा था कि आईसीसी या बीसीसीआई उन्हें दूसरी पारी में अलग और संदिग्ध गेंदें दे रहे थे। गेंद का निरीक्षण करने की जरूरत है।

शमी ने इंस्टाग्राम पर हसन रजा की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें थोड़ी शर्म आनी चाहिए। अगर रजा किसी की बात नहीं सुनना चाहते तो उन्हें पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम की बात ध्यान से सुनी चाहिए।

इससे पहले वसीम अकरम ने भी मैच के बाद रजा की टिप्पणियों की आलोचना की थी और उनसे कुछ शर्म करने को कहा था।

अकरम ने आगे कहा कि ये लोग (रज़ा और पैनल) स्पष्ट रूप से अपना दिमाग खो चुके हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की पहली महिला अध्यक्ष बनी डायना

क्राइस्टचर्च, डायना पुकेतापु-लिंडन न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष के रूप में मार्टिन स्नेडेन की जगह लेंगी, जो संगठन के इतिहास में यह भूमिका निभाने वाली पहली महिला होंगी।

यह बदलाव स्नेडन के फैसले के बाद हुआ है, जिनके पास बोर्ड पर निदेशक के रूप में काम करने के लिए अभी भी एक साल का समय है। वह डिप्टी चेयरमैन पुकेतापु-लिंडन को अपने नए पद पर आसानी से बदलाव की अनुमति देने के लिए अध्यक्ष पद से हट जाएंगे।

एनजेडसी के पूर्व सीईओ स्नेडन, जिन्होंने इसके बोर्ड में निदेशक के रूप में तीन कार्यकाल दिए हैं। उन्होंने कहा कि एक नई कुर्सी को समायोजित करने के लिए पद छोड़ना बिल्कुल सही काम था। स्नेडेन ने कहा कि एनजेडसी बोर्ड के सदस्य रोजर टूसे इस महीने के अंत से आईसीसी में एनजेडसी के प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभालेंगे। एनजेडसी निदेशक के रूप में मेरा अंतिम कार्यकाल 2024 एजीएम में समाप्त होगा। पुकेतापु-लिंडन को पहली बार 2017 में एनजेडसी बोर्ड में नियुक्त किया गया था और अब वह दूसरी सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली निदेशक हैं। वह न्यूजीलैंड ओलंपिक समिति की अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स की चार्टर्ड सदस्य और फेलो चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। वह इस पद पर व्यावसायिक और खेल प्रशासनिक अनुभव का खजाना लेकर आती हैं, जिसमें अमेरिका के कप नौकायन अभियानों में मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में दो कार्यकाल और विश्व मास्टर्स गेम्स के निदेशक के रूप में एक कार्यकाल शामिल है। बोर्ड में अन्य बदलावों में पूर्व ओलंपियन एलिसन शैंक्स और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के पूर्व अध्यक्ष माइक डेवोनशायर का निदेशक (नीचे बायो) के रूप में चुनाव शामिल है, जिसमें रेबेका रोल्स ने रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने का विकल्प चुना है और पुकेतापु-लिंडन और अन्ना कैंपबेल को रोटेशन द्वारा फिर से चुना गया है।

अगर नीदरलैंड्स के खिलाफ भी मोहम्मद शमी ने मचाया गदर तो तोड़ देंगे शोएब अख्तर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत के लिए मौजूदा वनडे वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी बल्लेबाजों के लिए किसी अबूझ पहेली से कम नहीं। उन्होंने अब तक केवल चार मैचों में 7 की शानदार औसत और 9.5 की स्ट्राइक-रेट से 16 विकेट लिए हैं, जबकि उन्होंने केवल 4.3 की इकॉनमी से रन दिए हैं। वह वनडे विश्व कप के इतिहास में भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं।

वर्ल्ड कप के आखिरी लीग स्टेज मुकाबले में भारत का सामना नीदरलैंड्स से होगा। इस मुकाबले में शमी के पास पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को पीछे छोड़ने का मौका है। मोहम्मद शमी अगर नीदरलैंड्स के खिलाफ 5 विकेट लेने में सफल होते हैं तो वह शोएब अख्तर को पीछे छोड़ देंगे।

शोएब अख्तर को छोड़ देंगे पीछे

दरअसल, शोएब अख्तर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 444 विकेट लिए हैं। शमी उनसे मात्र 4 विकेट दूर हैं। शमी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 440 विकेट ले चुके हैं।

शुभमन गिल ने ली बाबर आजम की जगह, बने दुनियाँ के नंबर वन वनडे बल्लेबाज

नई दिल्ली, भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल जारी नवीनतम आईसीसी पुरुष बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की जगह नए शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष वनडे बल्लेबाज बन गए हैं।

वह अब सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और विराट कोहली के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। भारत के पास अब पुरुषों की वनडे बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में गिल और मोहम्मद सिराज के रूप में शीर्ष क्रम के खिलाड़ी हैं।

डेंगू के कारण विश्व कप के पहले दो मैच न खेलने के बाद, गिल ने छह पारियों में 219 रन बनाए हैं, जिसमें उनका हालिया स्कोर मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ 92 और कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 रन है।

बाबर ने विश्व कप में आठ पारियों में 282 रन बनाए हैं और वह गिल से छह रेटिंग अंक नीचे दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, क्योंकि दुनिया में शीर्ष क्रम के पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाज का दो साल से अधिक का शासन समाप्त हो गया है।

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में कोलकाता में पुरुषों के एकदिवसीय मैचों में सर्वाधिक शतकों के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी की, तीन स्थान की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गए और तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक से एक रेटिंग अंक के भीतर हैं, जिन्होंने विश्व कप में अब तक 543 रन बनाए हैं।

मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में प्रभावशाली 17 पायदान की छलांग

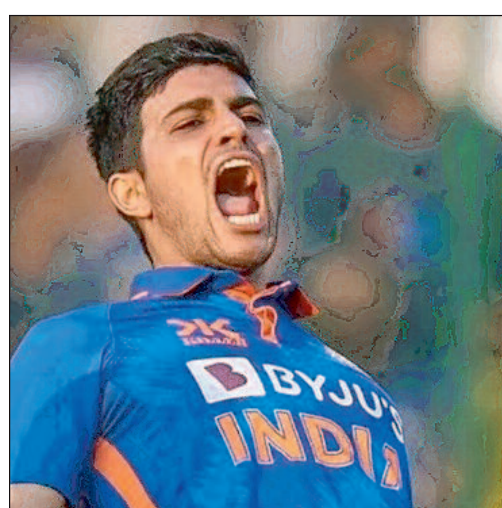

लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान (तीन पायदान ऊपर 11वें) और अफगानिस्तान के समकक्ष इब्राहिम जादरान (छह पायदान ऊपर 12वें) भी प्रगति कर रहे हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में, कुलदीप यादव (तीन पायदान ऊपर चौथे), जसप्रीत बुमराह (तीन पायदान ऊपर आठवें) और मोहम्मद शमी (सात पायदान ऊपर 10वें) सिराज के साथ शीर्ष दस रैंकिंग में शामिल हो रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज (दो स्थान ऊपर दूसरे स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया के समकक्ष एडम ज़म्पा (छह स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर) शीर्ष 10 में अन्य बड़े मूवर्स हैं, जबकि पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी चार स्थान गिरकर तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेज़लवुड के साथ पांचवें स्थान पर हैं। विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका 31 पायदान ऊपर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के स्पिनर रवींद्र जड़ेजा आठ पायदान ऊपर 19वें और दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के बल्लेबाज माकी जानसन नौ पायदान ऊपर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं, वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अन्य बड़े मूवर्स हैं।

एशियन गेम्स में गोल्फ खिलाडियों के प्रदर्शन से बेहद खुश हूं : पीटी उषा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेलों में महिलाओं की व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा में ऐतिहासिक रजत पदक के लिए भारत की अदिति अशोक की जमकर सराहना की।

पहले तीन राउंड में आगे चल रही अदिति आखिरी मिनट में पिछड़ गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हालांकि, वह एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई हैं। उषा दिल्ली गोल्फ क्लब में राष्ट्रीय खेलों की गोल्फ प्रतियोगिता देखने आई थी। भारतीय ओलंपिक संघ अध्यक्ष ने कहा, राष्ट्रीय खेलों में गोल्फ खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते देखना एक शानदार अनुभव था। मैंने कभी कोई गोल्फ

टूर्नामेंट इतने करीब से नहीं देखा था। मैंने आज गोल्फ में भी अपना हाथ आजमाया। हमारे खिलाड़ियों, विशेषकर अदिति अशोक ने एशियाई खेलों में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं उन्हें उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए बधाई देना चाहती हूं। भारत ने अपने एशियाई खेल 2023 अभियान को 107 पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया इसने जकार्ता 2018 में पिछले संस्करण में हासिल किए गए भारत के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जहां भारतीय टीम ने 70 पदक जीते थे, जिसमें 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य पदक था।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com